



साप्ताहिक

# मोर्निंग सिटी

खोशल एडीशन

सच के साथ...



वर्ष - 11, अंक - 23, 16 अगस्त रविवार, 2026

मूल्य - 10 रुपये | पृष्ठ 8

WWW :morningcity.in

## यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

**मोर्निंग**  
सिटी


### खबर संक्षेप

**खाने के बाद छात्रों की तबीयत बिगड़ी, होगी जांच**

बदायूं: उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में एक आवासीय बालिका विद्यालय में शनिवार रात खाना खाने के बाद सात छात्रों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं। दातागंज तहसील के समरेर ब्लॉक स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय बालिका विद्यालय का मामला है। बीमार छात्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

**सुपारी के आयात में 2,500 करोड़ की घोषाघड़ी**

नई दिल्ली। राजस्व आसूचना निदेशालय के अधिकारियों ने एक गिरफ्तार का भंडाफोड़ किया है। जांच में अब तक अवैध रूप से सुपारी आयात किए जाने से सरकारी राजस्व को 2,500 करोड़ रुपए से अधिक के संभावित नुकसान का पता चला है। इस मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। भारत में सुपारी के आयात पर 100 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क लगता है।

**बांग्ला फिल्मकार राजा सेन का निधन**

कोलकाता। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित एवं फिल्म 'दामू' के लिए मशहूर रहे दिग्गज बांग्ला फिल्मकार राजा सेन का लंबी बीमारी के बाद रविवार को यहां एक राजकीय अस्पताल में निधन हो गया। सेन कई स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण एसएसकेएम अस्पताल में उपचारधीन थे और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था।

**ऑटो और कार की टक्कर में छात्र की मौत**

दीप्ता। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में रविवार को एक ऑटो की कार से टक्कर की घटना में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दो अन्य छात्राएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा शनिवार को धनसिरी-दीप्ता मार्ग पर उस समय हुआ, जब तीन ऑटो से स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने जा रहे थे। तीनों छात्रों को दीप्ता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां से छात्र को बेहतर इलाज के लिए दीमापुर के एक अस्पताल में रेफर किया गया।

**कार अनियंत्रित होकर पलटने से तीन लोगों की मौत**

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकंदराऊ थाना कोतवाली क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक बच्चे सहित चार अन्य घायल हो गए। नोएडा के एक मूर्ति से सात लोग कार में सवार होकर उन्नाव जा रहे थे।

## रानी अवन्ती बाई लोधी की जयंती पर सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ

राजधानी लखनऊ में वीरांगना रानी अवन्ती बाई लोधी की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने रानी अवन्ती बाई लोधी को 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर की महान क्रांतिकारियों में से एक बताया। सीएम योगी ने कहा कि वीरांगनाओं का योगदान, तप, त्याग और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि आज वीरांगना रानी अवन्ती बाई लोधी की 196वीं जयंती है। वर्ष 1857 में उनकी आयु मात्र 27 वर्ष थी। इतनी कम उम्र में उन्होंने देश की आजादी के संघर्ष में अपना बलिदान देकर मिसाल कायम की। उनका बलिदान आज भी युवाओं को राष्ट्र के लिए समर्पण की प्रेरणा देता है। सीएम योगी ने कहा कि वीरांगना रानी अवन्ती बाई लोधी भारत की आजादी की उन महान नायिकाओं में शामिल हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने में कोई संकोच नहीं किया। रानी अवन्ती बाई लोधी के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ देश की आजादी के लिए संघर्ष किया गया। आज भी हर व्यक्ति श्रद्धा के साथ उनकी स्मृतियों को नमन करता है। उनके योगदान और बलिदान के लिए हर भारतवासी नतमस्तक है। सीएम ने कहा कि वीरांगना रानी अवन्ती बाई लोधी का आदर्श उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणा बन सके, इसके लिए सरकार ने महिला पीएससी की तीन नई बटालियन के गठन की दिशा में काम आगे बढ़ाया है। इन बटालियनों का नामकरण वीरांगनाओं के नाम पर किया गया है। उन्होंने बताया कि बदायूं में रानी अवन्ती बाई लोधी के नाम पर पीएससी की नई बाहिनी का गठन लगभग पूरा हो चुका है। वहां रानी अवन्ती बाई लोधी की अश्वारोही प्रतिमा स्थापित करने की कार्रवाई अंतिम चरण में है। वहीं, लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी और गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर महिला पीएससी बटालियन के गठन का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। दोनों स्थानों पर संबंधित वीरांगनाओं की अश्वारोही प्रतिमाएं स्थापित करने की दिशा में भी काम चल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश में मातृशक्ति की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते थे। वीरांगनाओं के नाम पर किए जा रहे इन कार्यों का उद्देश्य यही है कि उन सवालों पर छाप बादल समाप्त हों। बेटीयां सुरक्षित रहें और सम्मान के साथ सिर उठाकर समाज के हर क्षेत्र में काम कर सकें। उन्होंने कहा कि बेटीयों के स्वावलंबन के लिए सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार इसी विश्वास के साथ महिला सशक्तीकरण के कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस बल में 20 प्रतिशत बेटीयों की भर्ती अनिवार्य की गई है। वर्ष 2017 में यूपी पुलिस में महिलाओं की संख्या करीब 10 हजार थी, जो अब बढ़कर 45 हजार से अधिक हो चुकी है। सीएम योगी ने कहा कि नारी केवल नारा नहीं है, बल्कि नारी के गौरव की रक्षा सुनिश्चित की जा रही है। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ राष्ट्र प्रथम की भावना से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का अवसर मिल रहा है।



## स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री ने बताया 2047 तक देश का लक्ष्य पीएम मोदी बोले- 'रक्षा शक्ति' सात धाराओं में से एक, सुदर्शन चक्र मजबूत स्वदेशी सुरक्षा कवच

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 13वीं बार लाल किले से भाषण दिया। प्रधानमंत्री ने एआई, यूथ स्केलिंग, स्पोर्ट्स टैलेंट हंट जैसे बड़े ऐलान किए। पीएम मोदी स्वतंत्रता दिवस के भाषण में

2035 तक देश की रक्षा और सुरक्षा को आधुनिक बनाने के लिए 'मिशन सुदर्शन चक्र' की प्रगति का जिक्र किया। इसके तहत सामरिक और नागरिक ठिकानों को एक मजबूत स्वदेशी सुरक्षा कवच प्रदान किया जा रहा है।

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'रक्षा शक्ति' को शक्ति की सात धाराओं में से एक बताया। उन्होंने कहा यह 2047 तक एक विकसित भारत के निर्माण की कुंजी है। 15 अगस्त, 2026 को दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर बल दिया और भारत के आधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों के वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य की दिशा में युवाओं से समाज और अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका संभालने का आह्वान भी किया।



खेल के लिए देशव्यापी प्रतिभा खोज

मोदी ने 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत को मजबूत दावेदार बताते हुए कहा कि इस बड़े आयोजन में देश की मजबूत मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए पांच से 15 वर्ष की आयु तक के संभावित खिलाड़ियों की पहचान करने के वास्ते देशव्यापी प्रतिभा खोज अभियान शुरू किया जाएगा।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के लिए युवाओं से किया आह्वान

डिफेंस, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल ट्रांजिक्शन की बढ़ती के साक्ष्य किए आंकड़े

ऐसी घोषणाएं भी

एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई रिकल्स की ट्रेनिंग दी जाएगी

1-2 साल के अंदर 7-8 नए सेमीकंडक्टर प्लांट शुरू किए जाने की घोषणा

सिविल डिफेंस में सुधार करने की भी घोषणा की

गांवों और शहरों में बच्चों के लिए देशव्यापी स्पोर्ट्स टैलेंट हंट अभियान

भारत ने 2047 तक 100 जीडब्ल्यू परमाणु ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य

'दिमागी नक्सल' पर किया अलर्ट

पीएम मोदी ने नक्सलवाद को खत्म करने में अपनी सरकार की उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा, जंगलों में हथियारी नक्सल के खिलाफ सफलता मिली है, लेकिन अब 'दिमागी नक्सल' मौके की तलाश में हैं। उनका कहना था कि ऐसे तत्व हिंसा और अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं।

प्रधानमंत्री सहित कई मंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

## वाजपेयी की पुण्यतिथि पर देश ने उन्हें किया नमन



नई दिल्ली में पीएम मोदी ने श्रद्धांजलि दी

एजेसी नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित कई केंद्रीय मंत्रियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर याद कर रहा हूं। अद्भुत दूरदर्शिता वाले एक असाधारण राजनता के तौर पर, उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके विचारों और प्रयासों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने हमारे देश को मजबूत बनाया। सुशासन और जन-कल्याण पर उनका जोर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा। इसके साथ ही देश के कई राज्यों में अटल जी को याद किया।

**जीवन का एक-एक क्षण देश सेवा को समर्पित किया: शाह**

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि पमारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करता हूं। अटल जी एक ऐसे देशभक्त राजनेता थे, जिन्होंने अपने जीवन का एक-एक क्षण देश सेवा को समर्पित कर दिया। एक ओर उन्होंने परमाणु परीक्षण व कारगिल युद्ध में पूरी दुनिया को भारत की शक्ति से परिचित करवाया।

**अद्भुत वक्तव्य का अनूदा संगम रहा**

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिहरला ने एक्स पोस्ट में कहा कि वाजपेयी जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण नमन। अटल जी भारतीय राजनीति के ऐसे युगपुरुष थे, जिनके व्यक्तित्व में राष्ट्रनिष्ठा, लोकतांत्रिक मूल्यों, संवेदनशीलता और अद्भुत वक्तव्य का अनूदा संगम था। एक प्रखर सांसद, ओजस्वी वक्ता, सिद्धहस्त पत्रकार और संवेदनशील कवि के रूप में भी अटल जी सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे।

उनकी राजनीति का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित और जनसेवा रहा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया कि अटल जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि। अटल जी ने अपने विचारों और कार्यों से भारतीय लोकतंत्र को समृद्ध किया। उन्होंने जीवन का एक-एक क्षण देश सेवा को समर्पित के साथ कार्य किया। उनके लिए राजनीति का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित और जनसेवा था। उनके नेतृत्व में भारत ने सामरिक शक्ति, आर्थिक विकास में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया। उन्होंने देश को मजबूत और आत्मविश्वासी बनाते तथा विकास की नई दिशा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# ST. MARY'S SCHOOL

(A Co-Educational, Sr. Secondary School)

## & SANATAN ACADEMY

विद्यालय परिवार की ओर से समस्त जनपद, प्रदेश एवं देश वासियों को

# स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

15 August

OUR FOUNDERS

Late Shri A.G. Das Ji  
04 Nov. 1927 - 25 June 2000

Late Smt. S. Das Ji  
07 Sept. 1926 - 07 Oct. 2018

Deepak G. Das  
(Managing Director)

Smt. Manorama  
(Principal)

Nehal D. Das  
(Associate Director)

Kushagra G. Das  
(Associate Director)

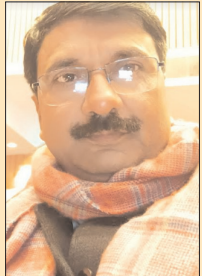


## सम्पादकीय

## नेताओं की सुरक्षा पर बड़ा सवाल, हिंसक हमलों ने बढ़ाई सियासी चिंता



सुखबीर सिंह बादल पर उस वक्त हमला हुआ, जब वे महाराष्ट्र के नदिड़ स्थित एक गुरुद्वारे में गए थे। हैरत इस बात की है कि सुखबीर को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद हमलावर उनके इतने करीब कैसे पहुंच गया? गुरुवार, 13 अगस्त, 2026 को महाराष्ट्र के नदिड़ ज़िले में एक गुरुद्वारे के पास हमले के बाद, अकाली दल के प्रमुख और पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल को अपने दाहिने हाथ पर कपड़ा लपेटे हुए एक इमारत के अंदर जाते देखा गया। एक सप्ताह के भीतर अलग-अलग राजनीतिक दलों के दो नेताओं पर जिस तरह से हिंसक हमले हुए हैं, उससे सियासी गलियारों में एक अलग तरह की चिंता पैदा हो गई है। हाल में तुणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री ममता बजरंगी की कार पर भीड़ का हमला और



सुरीत कुमार सिंह ध्यान समादक

अब शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल पर किरपाण से वार करने की घटनाओं ने प्रमुख नेताओं की निजी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार की ओर से ऐसे नेताओं को सुरक्षा मुहैया कराई जाती है, लेकिन सुरक्षा का यह घेरा क्या इतना कमजोर होता है कि कोई भी उसमें सेंच लगा सकता है? सवाल यह भी है कि क्या हिंसा या प्रतिशोध से किसी समस्या का समाधान हो सकता है? किसी भी राजनीतिक दल या उसके नेता के विचारों एवं कार्यों से असहमति व्यक्त की जा सकती है, लेकिन इसे तभी उचित ठहराया जा सकता है, जब यह नियम-कानून की सीमा के दायरे में हो। गौरतलब है कि सुखबीर सिंह बादल पर बीते गुरुवार को उस वक्त हमला हुआ, जब वे महाराष्ट्र के नदिड़ स्थित एक गुरुद्वारे में गए थे। एक शख्स ने अचानक किरपाण से उन पर हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। हालांकि बाद में पुलिस कर्मियों ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन हैरत इस बात की है कि सुखबीर को जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद हमलावर उनके इतने करीब कैसे पहुंच गया? यह पहली बार नहीं है जब उन पर इस तरह का हमला हुआ है, वर्ष 2024 में भी स्वर्ण मंदिर में उन पर जानलेवा हमला हुआ था। पुलिस के मुताबिक, नदिड़ गुरुद्वारे में हमले का आरोपी वहां दो साल से सेवादार के रूप में काम कर रहा था। इस घटना को लेकर पुलिस जांच में तेजी और गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक दिन बाद भी हमले के असली कारणों का पता नहीं चल पाया है। पंजाब में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं और ऐसे में सुरक्षा की दृष्टि से भी यह घटना बेहद संवेदनशील है। राज्य में अलगाववादी ताकतों फिर से सिर न उठा पाएँ, इसकी जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकार दोनों की है।

# भारतीय परंपराओं में निहित है संवाद, संवाद से ही होता है समाधान

प्रज्ञा पांडेय

जेन-जी के साथ डिक्टेशन के बजाय डिस्कशन को प्राथमिकता देते हुए संघ प्रमुख ने संवाद का मार्ग चुना। यह पहल न केवल युवा पीढ़ी के विचारों, प्रश्नों और आकांक्षाओं को समझने की आवश्यकता को रेखांकित करती है, बल्कि भारत की उस प्राचीन संवाद-परंपरा की पुनर्प्रतिष्ठा भी करती है, जिसमें संवाद को सामाजिक जीवन का आधार माना गया है। हाल ही में संघ प्रमुख श्री मोहन भागवत ने जेन जी से बातचीत की पहल की, इस प्रकार का संवाद नया नहीं है बल्कि हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा का हिस्सा रहा है जो जीवन से जुड़ी सत्य को उजागर करता है। आज की युवा हमारी पीढ़ी जैसी नहीं बल्कि उससे थोड़ी अलग है वह आदेश नहीं, बल्कि तर्क, प्रश्न और संवाद चाहती है। जेन जी तर्क तो करते हैं लेकिन उसके साथ ही वे भारतीय संस्कृति, परिवार, सामाजिक उत्तरदायित्व और वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे मूल्यों का भी सम्मान करते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा में संवाद का सर्वोच्च स्थान है। यहां गुरु शिष्य पर अपनी बात थोपना नहीं, बल्कि प्रश्नों के द्वारा उसकी शंका का समाधान कर उचित निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। इस प्रकार उदाहरणों में नचिकेता-यम संवाद और श्रीकृष्ण-अर्जुन संवाद विशेष रूप से विख्यात है। नेता-छात्र संवाद भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का एक अत्यंत महत्वपूर्ण भाग रहा है। हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा में देश के नेतृत्वकाओं, सम्राटों, ऋषियों, गुरुओं एवं युवा शिष्यों, छात्रों के मध्य संवाद को समाज के निर्माण का मुख्य आधार माना गया है। जेन-जी के साथ डिक्टेशन के बजाय डिस्कशन को प्राथमिकता देते हुए संघ प्रमुख ने संवाद का मार्ग चुना। यह पहल न केवल युवा पीढ़ी के विचारों, प्रश्नों और आकांक्षाओं को समझने की आवश्यकता को रेखांकित करती है, बल्कि भारत की उस प्राचीन संवाद-परंपरा की पुनर्प्रतिष्ठा भी करती है, जिसमें संवाद को सामाजिक जीवन का आधार माना गया है। आज जब भारत विकसित राष्ट्र की दिशा में आगे बढ़ रहा है, युवाओं के साथ संवाद को यह परंपरा उनके ऊर्जा, नवाचार और



दृष्टि को राष्ट्र-निर्माण से जोड़ने में महती भूमिका निभा सकती है। भारतीय ज्ञान परंपरा में संवाद केवल वार्तालाप नहीं है, अपितु सत्य की खोज, आपसी मतभेदों का समाधान एवं ज्ञान के आदान-प्रदान का जरिया रहा है। उपनिषदों में वर्णित गुरु-शिष्य के मध्य संवाद, भगवद्गीता में श्रीकृष्ण एवं अर्जुन का संवाद तथा बौद्ध-जेन परंपराओं की शास्त्रार्थ परंपरा इसका अमेखाना उदाहरण है जो हमें दो पीढ़ियों की बीच हुए संवाद की महत्ता बताते हैं। हमारी भारतीय परंपरा का मूल मंत्र है "वादे वादे जायते तत्त्वबोधः", अर्थात् संवाद से ही सत्य का बोध होता है। मोहन भागवत का जेन जी से संवाद इसी परंपरा को वर्तमान में आगे बढ़ाने का प्रयास है, जिसमें युवाओं के साथ सम्मानपूर्ण, तर्कपूर्ण और खुले संवाद के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को जोड़ने की बात कही गई है।

नचिकेता-यम संवाद भारतीय ज्ञान परंपरा में एक प्रमुख संवाद है। नचिकेता की उम्र आज की जेन अल्फा पीढ़ी के बराबर की थी जब बालक नचिकेता एवं यमराज के मध्य संवाद के द्वारा आत्मा, ब्रह्म, मोक्ष और जीवन के सत्य पर विस्तृत बातचीत हुई। इस संवाद की विशेषता यह रही है कि यहां गुरु ने प्रश्न पूछने से नहीं रोका बल्कि जिज्ञासा का सम्मान किया, तर्क एवं विवेचन द्वारा विश्लेषण कर उत्तर दिया। सत्य को कुत्रिम न कर उसे स्वयं समझने का अवसर प्रदान किया। इसी प्रकार करुश्चेत्र की रणभूमि में श्रीकृष्ण एवं अर्जुन का संवाद भारतीय ज्ञान परंपरा में जीवन से जुड़े सत्यों का विश्लेषण करने में विशेष महत्ता रखता है। गीता के उपदेश के उपरंत



छपवाता है कि क्रिसमस पर नहीं पड़ी तो नए वर्ष पर पड़ सकता है। उपरवाले के यहां क्रिसमस, नया साल या मकर संक्रांति जैसे दुनियावालों के बनाए हुए पर्व नहीं होते। वहां तो जिन ऊंचे पहाड़ों पर कुदरती मीन और टंडक का संतुलन बन जाए, वहाँ बर्फ के फाहे आसमान से उतरने शुरू हो जाते हैं।

बर्फ जब इटलाते हुए जब धरती पर उतरती है तो कुदरत की वाह वाह शुरू हो जाती है लेकिन खूबसूरत प्रेमिका की तरह परेशान करना भी शुरू कर देती है। बर्फबारी के बाद छपी अखबार की खबरों के शीर्षक से लगता है बर्फ वरदान नहीं है, जबरदस्ती दिया हुआ दान है जिससे परेशानियाँ सुदूर हैं।

## बर्फ में परेशान आनंद

संतोष उर्युक्

बर्फ ऐसी सुन्दर सजीली प्रेमिका है जो इंसान को खूब इंतजार करवाती है। बर्फ को प्रकृति का वरदान भी माना जाता है जिसे प्राप्त करने के लिए पूजा, पाठ, हवन यज्ञ भी किए जाते हैं लेकिन उससे पहले राजनीतिक और सामाजिक स्वार्थ पूरे करने के लिए लाखों वृक्ष फना किए जाते हैं तभी तो लोकप्रिय नेताओं की आहुतियों के बावजूद बर्फ नहीं पड़ती। सरकार का मौसम विभाग अनुमान

# आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

ललित गर्ग

15 अगस्त भारत के राष्ट्रीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें नैतिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरा, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शौकताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए इंज इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमिकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने को बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेती, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई गहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान



दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकों संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया था; आज की पीढ़ी को देश को निर्भरा, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार-बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शौकताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए इंज इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमिकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने को बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेती, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई गहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान

## लोक कथा

## फाखता का अंडा

किसी फाखता ने एक पेड़ की कोटर में अंडा दिया। पेड़ के पास एक लुहार का घर था। ज्यों ही फाखता दाने की तलाश में कोटर से बाहर गई लुहारिन ने अंडा चुरा लिया। फाखता कोटर में वापस आई तो अंडा गायब! फाखता ताड़ गई कि यह लुहारिन का काम है। वह लुहारिन के पास गई और विनती की, दया करके मेरा अंडा वापस कर दो! लुहारिन ने अनजान बने हुए कहा, अंडा? कैसा अंडा? मैंने कोई अंडा-वंडा नहीं देखा। शोकसंतप्त फाखता किसी मददगार की तलाश में उड़ी। उड़ते-उड़ते उसे एक सूअर मिला। सूअर ने पूछा, क्या बात है नन्ही चिड़िया, तुम रो क्यों रही हो? फाखता ने कहा, वहार, क्या तुम मेरी मदद करोगे? क्या तुम लुहारिन की अरबी खोदोगे? उसने मेरा अंडा चुरा लिया। नहीं, मैं नहीं खोदूंगा, सूअर घुसपुराया और आगे बढ़ गया। फिर उसे एक शिकारी मिला, तुम्हारी आँखों में आँसू क्यों हैं कुमरी? कुमरी ने कहा, क्या तुम सूअर को तीर मारोगे? उसने लुहारिन की अरबी खोदने से मना कर दिया। लुहारिन ने मेरा अंडा चुरा लिया। क्यों, मैं क्यों उसे तीर मारूँ? मुझे इसमें मत फँसाओ। यह कठकर शिकारी चला गया। फाखता वहीं से उड़ी। उसके आँसू धम नहीं रहे थे। आगे उसे एक चूहा मिला। उसने भी उसके रोने का कारण पूछा, फाखता ने कहा, क्या तुम शिकारी ने धनुष की डोरी कुतर दोगे?

वह सूअर को तीर नहीं मारता। सूअर लुहारिन की अरबी नहीं खोदता। लुहारिन ने मेरा अंडा चुरा लिया। चूहे ने भी कहा, नहीं, मैं नहीं कुतरूँगा। फिर उसे एक बिल्ली मिली। बिल्ली ने पूछा, क्या बात है नन्ही चिड़िया, तुम्हारी आँखों में आँसू क्यों हैं? क्या तुम चूहे को पकड़ोगी? वह शिकारी के धनुष की डोरी नहीं कुतरता। शिकारी सूअर को तीर नहीं मारता। सूअर लुहारिन की अरबी नहीं खोदता। लुहारिन ने मेरा अंडा चुरा लिया। बिल्ली ने भी दूसरे के झमेले में टाँग अड़ाने से मना कर दिया। बेचारी फाखता के दुख और गुस्से का पार न रहा। उसका विलेप सुनकर उभर से गुजरते एक कुत्ते ने उसकी ल्यथा जाननी चाही। फाखता ने कहा, क्या तुम बिल्ली को काटोगे? वह चूहे को नहीं पकड़ती। चूहा शिकारी के धनुष की डोरी नहीं कुतरता। शिकारी सूअर को तीर नहीं मारता। सूअर लुहारिन की अरबी नहीं खोदता। लुहारिन ने मेरा अंडा चुरा लिया। फाखता और जोर से रोने लगी। रास्ते पर जाते सफेद दाढ़ी वाले बूढ़े ने उससे पूछा कि वह रो क्यों रही है। फाखता ने कहा, दादाजी, क्या आप कुत्ते को पीटेंगे? वह बिल्ली को नहीं काटता। बिल्ली चूहे को नहीं पकड़ती। चूहा शिकारी के धनुष की डोरी नहीं कुतरता। शिकारी सूअर को तीर नहीं मारता। सूअर लुहारिन की अरबी नहीं खोदता। लुहारिन ने मेरा अंडा चुरा लिया। ऐरे काम में बूढ़े की कोई रुचि नहीं थी। उसने सर हिलाया और चला गया। फाखता फिर आग के पास गई और उससे बूढ़े की दाढ़ी जलाने के लिए कहा। पर आग ने मना कर दिया। फिर वह पानी के पास गई और उससे आग बुझाने को कहा जो बूढ़े की दाढ़ी नहीं जलाती। बूढ़ा कुत्ते को नहीं पीटा। कुत्ता बिल्ली को नहीं काटता। बिल्ली चूहे को नहीं पकड़ती। चूहा शिकारी के धनुष की डोरी नहीं कुतरता। शिकारी सूअर को तीर नहीं मारता। सूअर लुहारिन की अरबी नहीं खोदता। लुहारिन ने मेरा अंडा चुरा लिया। वयों नहीं, अभी तो! चीटी ने कहा और हाथी की सूँड में घुसकर मुलायम जगह पर जोर से काटा। हाथी तेजी से भागा और तालाब में घुसकर पानी को झिकोने लगा। पानी हरहराता हुआ आगे बढ़ा और आग को बुझाने लगा। उन्मत्त आग भड़क उठी और बूढ़े की दाढ़ी को जला दिया। बूढ़े ने कुत्ते को पीटा। कुत्ता बिल्ली के पीछे भागा और उसे काट खाय। बिल्ली ने चूहे को पकड़ा। चूहे ने शिकारी के धनुष की डोरी को कुतर डाला। शिकारी ने नई डोरी बाँधी और सूअर पर तीर चलाया। सूअर दौड़ा और लुहारिन की सारी अरबियाँ खोद डाली। लुहारिन तुरंत समझ गई कि उसे क्या करना है। उसने फाखता का अंडा लिया और पेड़ की कोटर में सावधानी से रख दिया। इस तरह फाखता को अपना अंडा वापस मिल गया।

की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। 2047 की यात्रा में हमें युवाओं से केवल नौकरी पाने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए, उन्हें रोजगार देने वाला, समस्या का समाधान खोजने वाला, नवाचार करने वाला और समाज का नेतृत्व करने वाला बनाना होगा। शिक्षा को डिग्री से कोशल, कोशल से रोजगार और रोजगार से उद्यमिता की ओर ले जाना होगा। गांव का युवा भी अंतरिक्ष में अवसर देखे, छोटे शहर की बेंटी भी विज्ञान और तकनीक में विश्वस्तरीय पहचान बनाए, किसान का बेटा भी एग्रीटेक उद्यमी बने और सामान्य परिवार का युवा भी स्टार्टअप के माध्यम से हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करेकृवही नए भारत की तस्वीर है। आजादी की पहली लड़ाई में युवाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत को स्वतंत्र बनाया था। 2047 के भारत की लड़ाई में युवाओं को ज्ञान, नवाचार, चरित्र, परिश्रम और राष्ट्रभावना को अपना हथियार बनाना होगा। यदि 1947 की पीढ़ी ने पूछा थाकू भारत को आजाद कैसे कराएं?, तो आज की पीढ़ी को पूछना होगा-भारत को दुनिया का विकसित, समर्थ, शक्तिपूर्ण और नैतिक नेतृत्व करने वाला राष्ट्र कैसे बनाएं? स्वतंत्रता की सार्थकता इसी प्रश्न के उत्तर में छिपी है। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां विकास की चमक के साथ मानवीयता की रोशनी भी हो; जहां विज्ञान आगे बढ़े तो संस्कार भी साथ चलें; जहां अर्थव्यवस्था मजबूत हो तो समाज भी समरस हो; जहां भारत अपनी सुरक्षा के लिए किसी पर निर्भर न हो और विश्व की शांति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

आज जब तिरंगा लाल किले की प्राचीर पर लहराएगा, तब हमें केवल यह नहीं कहना चाहिए कि भारत स्वतंत्र है, बल्कि यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हम इस स्वतंत्रता को अधिक सार्थक, अधिक जिम्मेदार और अधिक जनकल्याणकारी बनाएँ। 2047 का विकसित भारत सार्वभौम का अवैला सपना नहीं, 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी 2047 को नागरिकों के सपनों और संकल्पों से जोड़ते हुए स्पष्ट किया है कि विकसित भारत का निर्माण प्रत्येक भारतीय की भागीदारी से होगा। आजादी के अमृत से लेकर स्वतंत्रता के 80वें पड़ाव तक भारत ने लंबी यात्रा तय की है। अब अगला पड़ाव केवल आर्थिक शक्ति बनाना नहीं, बल्कि विधवांस, विवेक, विज्ञान, संस्कार और सामर्थ्य से सम्पन्न भारत बनाना है। शहीदों ने हमें स्वतंत्र भारत सौंपा था; अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसा भारत सौंप जिस पर उसी वयों हो। यही स्वतंत्रता का नया आयाम है, यही 2047 की ओर बढ़ते भारत का संकल्प है और यही हमारे तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

## पंचतंत्र कहानी

## चुहिया का स्वयंवर

गंगा नदी के किनारे एक तपस्विनों का आश्रम था। वहाँ याज्ञवल्क्य नाम के मुनि रहते थे । मुनिवर एक नदी के किनारे जल लेकर आचमन कर रहे थे कि पानी से भरी हथेली में ऊपर से एक चुहिया गिर गई। उस चुहिया को आकाश मेंमज बाल लिये जा रहा था। उसने पंजे से छूटककर वह नीचे गिर गई। मुनि ने उसे पीपल के पत्ते पर रखा और फिर से गंगाजल में स्नान किया। चुहिया ने अभी प्राण शोष थे। उसे मुनि ने अपने प्रताप से कन्या का रूप दे दिया, और अपने आश्रम में ले आये। मुनि-पत्नी को कन्या अर्पित करते हुए मुनि ने कहा कि इसे अपनी ही लड़की की तरह पालना । उनके अपनी कोई सन्तान नहीं थी , इसलिए मुनिपत्नी ने उसका लालन-पालन बड़े प्रेम से किया । १२ वर्ष तक वह उनके आश्रम में पलती रही । जब वह विवाह योग्य अवस्था की हो गई तो पत्नी ने मुनि से कहा-----"माथ ! अपनी कन्या अब विवाह योग्य हो गई है । इसके विवाह का प्रबन्ध कीजिये ।" मुनि ने कहा-----"मैं अभी आदित्य को बुलाकर इसे उससे हाथ सौंप देता हूँ । यदि इसे स्वीकार होगा तो उसके साथ विवाह कर लेंगी, अन्यथा नहीं ।" मुनि ने यह त्रिलोक का प्रकाश देने वाला सूत्र पतितरुप से स्वीकार है ? " मुनि ने उत्तर दिया-----"तात ! यह तो आग जैसा गरम है, मुझे स्वीकार नहीं । इससे अच्छा कोई वर बुलाइये ।" मुनि ने सूर्य से पूछा कि वह अपने से अच्छा कोई वर बुलावये। सूर्य ने कहा-----"मुझ से अच्छे मेघ हैं, जो मुझे ढककर छिपा लेते ।"

मुनि ने मेघ को बुलाकर पूछा-----"क्या यह तुझे स्वीकार है ?" कन्या ने कहा-----"यह तो बहुत काला है। इससे भी अच्छे किसी वर को बुलाओ ।" मुनि ने मेघ से भी पूछा कि उससे अच्छा कोई है । मेघ ने कहा, "क्रम से अच्छी वायु है, जो हमें उड़ानकर दिशा-दिशाओं में ले जाती है" । मुनि ने वायु को बुलाया और कन्या से स्वीकृति पूछी । कन्या ने कहा -----"तात ! यह तो बड़ी चंचल है । इससे भी किसी अच्छे वर को बुलाओ ।" मुनि ने वायु से भी पूछा कि उस से अच्छा कोई है । वायु ने कहा, "मुझ से अच्छा पर्वत है, जो बड़ी से बड़ी आँधी में भी स्थिर रहता है ।" मुनि ने पर्वत को बुलाया तो कन्या ने कहा-----"तात ! यह तो बड़ा कठोर और गंभीर है, इससे अधिक अच्छा कोई वर बुलाओ ।" मुनि ने पर्वत से कहा कि वह अपने से अच्छा कोई वर सुझाये । तब पर्वत ने कहा-----"मुझ से अच्छा चूहा है, जो मुझे तोड़कर अपना बिल बना लेता है ।" मुनि ने तब चूहे को बुलाया और कन्या से कहा--- -"पुत्री ! यह मूषकराज तुझे स्वीकार हो तो इससे विवाह कर ले ।" मुनिकन्या ने मूषकराज को बड़े ध्यान से देखा । उसके साथ उसे विलक्षण अपनापन अनुभव हो रहा था । प्रथम दृष्टि में ही वह उस पर मुग्ध होआई और बोली-----"मुझे मूषिका बनाकर मूषकराज के हाथ सौंप दीजिये ।" मुनि ने अपने तपोबल से उसे फिर चुहिया बना दिया और चूहे के साथ उसका विवाह कर दिया ।



# सुदिती ग्लोबल एकेडमी में हर्षोल्लास और देशभक्ति के साथ मनाया गया 80वाँ स्वतंत्रता दिवस

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** सुदिती ग्लोबल एकेडमी, मैनपुरी में 15 अगस्त 2026 को भारत का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित भव्य समारोह में तिरंगे की शान,राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान की गूंज, देशभक्ति के नारों और विद्यार्थियों की मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को देशप्रेम से भर दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री शिखा चौधरी, सिविल जज, फिरोजाबाद रहैं।

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुश्री शिखा चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति में ध्वजारोहण के साथ हुआ। वन्देमातरम गायन के उपरांत राष्ट्रीय ध्वज के फहराते ही पूरा विद्यालय परिसर राष्ट्रगान की धुन से गूंज उठा। उपस्थित सभी लोगों ने सम्मानपूर्वक राष्ट्रध्वज को नमन किया तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। विद्यार्थियों में 80वें स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष उत्साह और उमंग दिखाई दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन, प्रशासनिक प्रधानाचार्य डॉ. कुसुम मोहन, प्रबंध निदेशक डॉ. लव मोहन, प्रधानाचार्य अकादमिक सुश्री सुप्रिया शर्मा, उपप्रधानाचार्य श्री जय शंकर तिवारी एवं समन्वयक सुश्री प्रणिता सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन से हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ वंदे मातरम, ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों से पहले मुख्य अतिथि सुश्री शिखा चौधरी, प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन, प्रशासनिक



प्रधानाचार्य डॉ. कुसुम मोहन, प्रबंध निदेशक डॉ. लव मोहन, प्रधानाचार्य अकादमिक सुश्री सुप्रिया शर्मा, उपप्रधानाचार्य श्री जय शंकर तिवारी एवं समन्वयक श्रीमती प्रणिता सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। दीप प्रज्वलन के माध्यम से ज्ञान, प्रकाश, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया गया। प्रज्वलित दीप ने समारोह को गरिमामयी स्वरूप प्रदान किया और विद्यार्थियों को ज्ञान एवं संस्कार के प्रकाश में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। दीप प्रज्वलन के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विधिवत शुभारंभ हुआ। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति, भारतीय संस्कृति, स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रप्रेम के विभिन्न रंगों को मंच पर जीवंत कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हनुमान जी (सिंदूर) की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद नन्हे विद्यार्थियों ने जहाँ पाँव में पायल गीत पर देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति, आत्मविश्वास और उत्साह ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। इसके बाद अनिका सिंह ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर



## देशभक्ति से सराबोर रहा विद्यालय परिसर

पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में देशभक्ति का वातावरण बना रहा। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की विविध संस्कृति, स्वतंत्रता संग्राम, वीरता, शांति, सद्भाव और राष्ट्रप्रेम के विभिन्न रंगों को प्रस्तुत किया। श्रीकृष्ण की भक्ति से लेकर भरतनाट्यम और घूमर तक भारतीय संस्कृति की विविधता दिखाई दी। वहीं नमक सत्याग्रह, सुभाष चंद्र बोस और विभाजन जैसे विषयों पर आधारित प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों को देश के इतिहास और उसके संघर्षपूर्ण अध्यायों से जोड़ा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में अनुशासन, उत्साह और आत्मविश्वास का विशेष प्रदर्शन देखने को मिला। अभिभावकों ने भी विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की और तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया।

## मिष्ठान वितरण के साथ हुआ समारोह का समापन

समारोह के अंत में राष्ट्र की एकता, अखंडता, शांति एवं समृद्धि के लिए संकल्प लिया गया। विद्यालय परिसर ह्मभारत माता की जयझ्झ, ह्रवदे मातरम्भ और ह्रजय हिंदूझ के नारों से गूंज उठा। इसके पश्चात स्वतंत्रता दिवस की खुशी साझा करते हुए विद्यालय की ओर से मिष्ठान वितरित किया गया। सभी ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी और राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ समारोह का समापन किया। सुदिती ग्लोबल एकेडमी, मैनपुरी का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, संस्कार, अनुशासन, माता-पिता के प्रति सम्मान, सामाजिक जिम्मेदारी और देश के प्रति कर्तव्यबोध विकसित करने वाला प्रेरणादायी आयोजन रहा। समारोह ने यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के भारत का निर्माण अभी संभव है, जब नई पीढ़ी ज्ञान, संस्कार, परिश्रम, अनुशासन, माता-पिता के सम्मान और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करे।

भाषण प्रस्तुत किया। उनके बाद देशभक्ति अभिनय एवं नृत्य की प्रस्तुति ने वातावरण में राष्ट्रप्रेम की भावना को और प्रबल किया। जानवी बघेल ने भी अपने भाषण के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस की महत्ता तथा देश के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों पर विचार रखे। श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी पर प्रस्तुत कृष्ण नृत्य ने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की। इसके बाद

अन्यांश चौहान ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि पर प्रस्तुत देशभक्ति नृत्य ने मातृभूमि के प्रति सम्मान एवं समर्पण की भावना को अभिव्यक्त किया। इसके बाद कदम से कदम मिलते हैं पर प्रस्तुत नमक सत्याग्रह आधारित नृत्य ने स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक प्रसंग को मंच पर जीवंत कर दिया। खुशी यादव ने भी अपने

भाषण के माध्यम से देशप्रेम एवं नागरिक जिम्मेदारियों का संदेश दिया। इसके बाद भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुति ने भारतीय शास्त्रीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा की सुंदर झलक दिखाई। रिद्धिमा यादव ने अपने भाषण के माध्यम से राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना व्यक्त की। तिशियों की पावन धर पर प्रस्तुत देशभक्ति हरियाणवी नृत्य ने भारतीय लोक संस्कृति और

## रंग-रंग में है तूफान से भरा उत्साह

समृद्धि सदन की ओर से छावा पर आधारित रंग-रंग में है तूफान की जोशीली प्रस्तुति ने समारोह में उत्साह भर दिया। इसके बाद एनसीसी समूह नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें अनुशासन, एकजुटता और राष्ट्रसेवा की भावना का संदेश दिखाई दिया। भूमि ने अपने भाषण के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्र के प्रति कर्तव्य और जिम्मेदारी के विषय पर विचार रखे। इसके बाद धर्मा सदन द्वारा विभाजन विषय पर बागों के हर फूल को सींचे बागवान की भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति के माध्यम से इतिहास के एक संवेदनशील अध्याय को मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

राष्ट्रप्रेम का सुंदर संगम प्रस्तुत किया। इसके बाद रिशा भारती ने अपने भाषण के माध्यम से देशप्रेम और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया। वार एक्स हार्मनी / नमो नमो शंकर पर प्रस्तुत शांति सदन के नृत्य ने शांति, सद्भाव और एकता का संदेश दिया। इसके बाद क्वांका सावेन ने अपने भाषण के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर विचार व्यक्त किए। थारी जोगन पर प्रस्तुत राजपूतानी नृत्य घूमर ने भारतीय लोक परंपरा और राजस्थानी संस्कृति की मनमोहक छटा बिखरी। इसके बाद प्रतिष्ठा ने अपने भाषण के माध्यम से स्वतंत्रता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों से जुड़े विचार रखे। शक्ति सदन की ओर से सुभाष चंद्र बोस पर आधारित माटी को माँ कहते हैं की प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

# सेंट मेरीज स्कूल में स्वतंत्रता दिवस पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** सेंट मेरीज स्कूल आश्रम रोड, विद्यालय मैनपुरी में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानाध्यापिका श्रीमती मनोममा, प्रबन्धक श्री दीपक जी दास एवं सहायक निदेशक श्री कुशाग्र दास, प्रधानाचार्य श्री डेमियन एंथनी ने ध्वजा रोहण किया इसी के साथ राष्ट्रगान तथा वंदेमातरम की धुन से सम्पूर्ण विद्यालय प्रांगण मुखर हो उठा। कक्षा दो की छात्रा काशवी यादव, अद्विका तथा आयुष गुप्ता ने देश प्रेम के नारों से विद्यालय परिसर को गुंजायमान कर दिया। वन्देमातरम गीत एवं एक अति सुन्दर नृत्य अध्यापिका सुश्री जेबा द्वारा तैयार किया गया, राष्ट्रगीत में अध्यापक श्री अशोक पाण्डेय जी का योगदान रहा।

प्रधानाचार्य श्री डेमियन एंथनी ने अपने संबोधन में छात्रों से कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए देश के वीर योद्धाओं तथा स्वतंत्रता संग्रम सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है और अब देश का भविष्य अर्थात विद्यार्थियों का कर्तव्य है कि हम सभी आजादी के मूल्यों को समझें तथा देश प्रेम के भाव को अक्षुण्ण बनाए रखें। कक्षा दो और तीन की छात्राओं ने दिल की आरजू..... गीत पर आकर्षक प्रस्तुति दी। यह भाव नृत्य अध्यापिका सुश्री पारूल दुबे के नेतृत्व में सम्पन्न किया गया। श्रीमती श्वेता चैहान के नेतृत्व में कक्षा चार व पाँच



की छात्राओं ने देश रंगीला रंगीला..... पर आकर्षक नृत्य किया। विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक श्री अजीत शर्मा ने छात्रों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित की तथा बताया कि अनेक देशभक्तों ने प्राणों की आहुति दी है तथा देशभक्तों के इस कर्ज को चुकाने के लिए विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम तथा विनम्रता के भाव से देश सिंह में कार्य करना चाहिये। हैड ब्याय हर्षित यादव ने मनोज मुंतिशर की ओजवाणी पर, विविध देशभक्ति गीतों पर अनेक छात्र-छात्राओं के साथ आकर्षक प्रस्तुति दी। कक्षा छः की छात्रा प्रज्ञा राठीर ने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए संघर्षों की गाथा को सरल शब्दों में बताया। जूनियर

कक्षा की छात्राओं ने मातृभूमि को समर्पित प्रियं भारतम संस्कृत गीत गाया। इतिहास का अंजना हूँ..... नृत्य कक्षा सात, आठ एवं नौ की छात्राओं ने अध्यापिका सुश्री आकांक्षा अवस्थी तथा सुश्री अवनिका गुप्ता के द्वारा जोश से परिपूरित एक एकट प्रस्तुत किया गया। जिसे देखकर उपस्थित समस्त लोगों में उत्साह की एक लहर दौड़ गई। कक्षा छः के देवांश ने स्वतंत्रता दिवस की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। सनातन एकेडमी के विद्यार्थियों वीरांगना मणिकर्णिका लक्ष्मीबाई के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी। राजगुरू, सुखदेव, भगत सिंह को कागार में फंसी के दृश्य पर आधारित नाट्य प्रस्तुति देकर



दर्शकों, श्रोताओं को भावुक कर दिया। यह नाट्य प्रस्तुति प्रतीक्षा चैहान एवं श्रीमती मिताली मिश्रा के नेतृत्व में सम्पन्न की गई थी। सनातन एकेडमी की इकरा हाशमी तथा अनिषा ने लक्ष्मीबाई की जीवन गाथा के विषय में छात्रों से तैयारी कराई थी। पाक कला के प्रतिभागी जूनियर अर्धव प्रथम, अर्चिता द्वितीय रही। सौमित्र्य वर्ग में आन्या जैन तृतीय, देवरूद्रमणी यादव द्वितीय तथा अनिरुद्ध सिंह चैहान प्रथम स्थान पर रहे। प्रशस्ति प्रमाण पत्र के सभी विजित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा सांत्वना पुरस्कार दिये गए। कार्यक्रम का संचालन आन्या जैन, कनक राजपूज, अंशिका, रिद्धिमा ने किया। सहायक

निदेशक श्री कुशाग्र दास ने अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। तत्पश्चात मिष्ठान वितरण किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक निदेशक श्री कुशाग्र दास के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर प्रबन्धक श्री दीपक जी दास, प्रधानाचार्या श्रीमती मनोरम, प्रधानाचार्य श्री डेमियन एंथनी, उप-प्रधानाचार्य श्री दीपांकर विश्वास, इन्चार्ज श्रीमती कमलेश गेरा, श्रीमती संतोषी, श्रीमती शिवानी चैहान, श्रीमती कृतिका चैहान तथा के०जी० सेक्शन इंचार्ज श्रीमती अंजना अधिकारी सहित सम्पूर्ण विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

# अवंती बाई की वीरता से सपा का संघर्ष का संकल्प

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यालय, मैनपुरी में रविवार को 1857 की प्रथम स्वतंत्रता क्रांति की महानायिका वीरांगना महारानी अवंती बाई लोधी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने महारानी अवंती बाई लोधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने महारानी के संघर्ष, साहस और राष्ट्रभक्ति को याद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह पाल ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव रामनारायन बाथम ने किया। नीटू लोधी के नेतृत्व में कार्यक्रम का संचोजन किया गया। पूर्व जिलाध्यक्ष खुमान सिंह वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने भी महारानी अवंती बाई लोधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। मुख्य वक्ता खुमान सिंह वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि महारानी अवंती बाई लोधी ने 1857 की क्रांति में अदम्य साहस और वीरता का प्रदर्शन किया था। उनका स्वर्णिमान, राष्ट्रभक्ति और नारी शक्ति का उदाहरण आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने गौर दिया कि महारानी अवंती बाई के संघर्ष से प्रेरणा लेकर समाज के वंचित, पिछड़े और शोषित वर्ग के अधिकारों की लड़ाई को मजबूत किया जाना चाहिए। इस अवसर पर किशानी विधावक इंजीनियर



बुजेश कठेरिया, पूर्व सदर विधायक राजकुमार उर्फ राजू यादव, रजनीश मिश्रा, नरेंद्र सिंह यादव, देवेंद्र सिंह यादव एडवोकेट, पूर्व जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव, तोताराम यादव और पूर्व जिलाध्यक्ष सुखवीर सिंह यादव सहित कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम में कमल वर्मा लोधी, राजू लोधी, सुरेश चंद्र यादव, श्याम करन शाक्य, बबलू पाल, सत्येंद्र लोधी, सफी मंसूरी, रऊफ कुरैशी, डॉ. बुजेश वर्मा, गोपाल दास लोधी, ज्योति मैसो, अमन लोधी, उपदेश यादव, यतेंद्र लोधी, राकेश

कुमार लोधी, अंसार हुसैन, दीपू वर्मा, सुखवीर वर्मा, बबलू राजपूत, आनंद लोधी, बन्टी वर्मा, गंगन लोधी, रेखा यादव, किरन कठेरिया, सुमन दिवाकर, मानवेन्द्र सिंह यादव, जयवीर सिंह यादव, मनोज यादव, नदीम इलाही, लक्ष्मी यादव, अनुभव लोधी, संतोष लोधी और गौरव लोधी सहित बड़ी संख्या में अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे। वक्ताओं ने महारानी अवंती बाई लोधी के जीवन और संघर्ष को याद करते हुए उनके आदर्शों को समाज और युवा पीढ़ी तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया।

## संदिग्ध हालत में विवाहिता की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** मैनपुरी के किशनी थाना क्षेत्र के कुसमरा कस्बे के रामनगर मोहल्ले में 26 साल की विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मृतका की पहचान लक्ष्मी, पत्नी कन्हैया निवासी रामनगर कुसमरा के रूप में हुई है। घटना के बाद मायके पक्ष ने ससुरालियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

परिजनों का आरोप है कि लक्ष्मी को ससुराल पक्ष के लोग काफी समय से प्रताड़ित कर रहे थे। आरोप है कि साजिश के तहत उसकी हत्या की गई और बाद में शव को फंदे पर लटका दिया गया, ताकि घटना को आत्महत्या का रूप दिया जा सके। मायके पक्ष ने पति कन्हैया के परिवार के साथ उसकी बहन रानी, पत्नी नवल समेत अन्य ससुरालियों पर भी हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। परिजनों के मुताबिक उन्हें घटना की जानकारी रात करीब 9 बजे दी गई। सूचना मिलने के बाद मायके पक्ष के लोग कुसमरा पहुंचे तो घर में कोहलाम मच गया।

## मैनपुरी भाजपा युवा मोर्चा ने कांग्रेस का पुतला फूँका: वंदे मातरम अपमान के विरोध में किया प्रदर्शन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** मैनपुरी में भाजपा युवा मोर्चा ने कांग्रेस पार्टी का पुतला फूँका और पैदल मार्च निकाला। यह प्रदर्शन प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा रोहित मिश्रा के आह्वान पर जिला अध्यक्ष अनिल राजपूत के नेतृत्व में किया गया। युवा मोर्चा ने कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हुए एक कार्यक्रम से संबंधित वीडियो और समाचारों को लेकर विरोध जताया। उनका आरोप है कि इस घटना से 'वंदे मातरम' का अपमान हुआ है, जिसने पूरे देश में बहस छेड़ दी है।

इस दौरान जिला अध्यक्ष अनिल राजपूत ने कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा रहा है। उन्होंने बताया कि इस गीत ने क्रांतिकारियों और देशभक्तों को मातृभूमि के लिए सर्वोच्च बलिदान की प्रेरणा दी। राजपूत ने आगे कहा कि राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत या तिरंगे का सम्मान राजनीति से ऊपर होना

## भारत देश हमारा ने जगाया राष्ट्रप्रेम

सिद्धि ने अपने भाषण के माध्यम से राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और देशभक्ति का संदेश दिया। इसके बाद भारत देश हमारा गीत पर प्रस्तुत देशभक्ति नृत्य ने पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम से भर दिया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रियंक दुबे, अक्षिता पांडेय और अशिता ने अपने-अपने भाषणों के माध्यम से स्वतंत्रता दिवस तथा राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों पर विचार रखे। स्वेच्छा एवं अपक्षा ने भी अपने विचार प्रस्तुत करते हुए देशप्रेम और जिम्मेदारी का संदेश दिया। विद्यार्थियों के भाषणों में आत्मविश्वास, विचारों की स्पष्टता और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना दिखाई दी।

## मुख्य अतिथि ने किया विद्यार्थियों का

## उत्साहवर्धन

मुख्य अतिथि सुश्री शिखा चौधरी ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करने का दिन है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, अनुशासन, ईमानदारी, परिश्रम और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही भविष्य के भारत का निर्माण करेंगे। इसलिए विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों को भी समझना चाहिए और देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

## प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन ने दिया संस्कार और

## राष्ट्रनिर्माण का संदेश

प्रधानाचार्य डॉ. राम मोहन ने अपने संबोधन में कहा कि 15 अगस्त केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग को स्मरण कर राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग, अनुशासन, सकारात्मक सोच और निरंतर परिश्रम को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज भारत विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के लिए करना चाहिए। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा को भी राष्ट्रसेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि माता-पिता ही बच्चों के प्रथम गुरु और उनके लिए भगवान के समान हैं। विद्यार्थियों को सदैव अपने माता-पिता का आदर-सम्मान करना चाहिए, उनकी भावनाओं को समझना चाहिए और उनके प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना चाहिए। माता-पिता का आशीर्वाद और उनके दिए संस्कार जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे अपने घर-परिवार में अच्छे संस्कार, अनुशासन, स्वच्छता, आरसी सम्मान और देशप्रेम की भावना को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि माता-पिता का सम्मान, समाज के प्रति जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण ही सच्चे संस्कारों की पहचान है। सच्ची देशभक्ति केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं, बल्कि हमारे दैनिक आचरण और कार्यों में दिखाई देनी चाहिए। प्रशासनिक प्रधानाचार्य डॉ. कुसुम मोहन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने जीवन में अच्छे विचारों और मानवीय मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रबंध निदेशक डॉ. लव मोहन ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा पीढ़ी देश की सबसे बड़ी शक्ति है। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का सकारात्मक दिशा में उपयोग करते हुए देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए। प्रधानाचार्य अकादमिक सुश्री सुप्रिया शर्मा, उपप्रधानाचार्य श्री जय शंकर तिवारी एवं समन्वयक श्रीमती प्रणिता सिंह ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

## श्रावण मास में कांवड़ मार्ग का निरीक्षण



मोर्निंग सिटी संवाददाता

**मैनपुरी।** अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा, सुविधा एवं सुचारु यातायात व्यवस्था के दृष्टिगत थाना किशनी क्षेत्रान्तर्गत कांवड़ मार्ग का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने हेतु रूट डायवर्जन योजना लागू की गई है तथा बड़े वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा सुगम आवागमन हेतु सतत निगरानी एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

## मैनपुरी भाजपा युवा मोर्चा ने कांग्रेस का पुतला फूँका: वंदे मातरम अपमान के विरोध में किया प्रदर्शन



चाहिए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से एक सम्मान सम्मान का संदेश देने का आग्रह किया, ताकि देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक परंपराएं मजबूत हों। उनके अनुसार, 'वंदे मातरम' भारतमाता के प्रति श्रद्धा और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष गौतम चौहान, जिला उपाध्यक्ष विक्रान्त चौहान, ब्लॉक प्रमुख केशमीर राजपूत, शुभम गुप्ता, शिखर मिश्रा, अमित राजपूत और वीरप्रताप राजपूत सहित कई युवा मोर्चा कार्यकर्ता मौजूद रहे।



# कैलाश मेले पर आज स्थानीय अवकाश, दो शिवलिंग वाले मंदिर में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

सावन के तीसरे सोमवार पर कैलाश महादेव मंदिर में लगेगा ऐतिहासिक मेला, रविवार शाम से ही पहुंचने लगे कांवड़िए



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। सावन के तीसरे सोमवार पर आज कैलाश महादेव मंदिर में ऐतिहासिक कैलाश मेला लगेगा। मेले के अवसर पर सोमवार को आगरा में स्थानीय अवकाश रहेगा। रविवार शाम से ही कैलाश मंदिर में श्रद्धालुओं

## एक जलहरी में दो शिवलिंग, यही है मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता

आगरा के प्राचीन कैलाश महादेव मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां एक ही जलहरी में दो शिवलिंग विराजमान हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार इन दोनों शिवलिंगों की स्थापना भगवान परशुराम और उनके पिता जमदग्नि ऋषि ने की थी। मान्यता है कि हजारों वर्ष पहले दोनों पिता-पुत्र आगरा के रेणुका धाम से कैलाश पर्वत पर भगवान शिव की तपस्या करने जाते थे। कहा जाता है कि हजारों वर्षों की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उनसे वरदान मांगने को कहा। परशुराम और जमदग्नि ऋषि ने घन अथवा शक्ति की इच्छा न जताते हुए भगवान शिव से उनके साथ रेणुका धाम चलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कैलाश पर्वत तक आने-जाने में समय लगता है और माता रेणुका भी वहां नहीं पहुंच पाती। मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने कहा कि वह वन और पर्वतों में रहने वाले हैं और उनके साथ नहीं जा सकते। उन्होंने कैलाश पर्वत के कण-कण में अपने वास की बात कही। इसके बाद दोनों पिता-पुत्र दो शिवलिंग लेकर अपने स्थान की ओर चल पड़े। आगरा में यमुना किनारे वर्तमान कैलाश मंदिर वाले स्थान पर संघा वंदन के लिए दोनों शिवलिंग रखकर वे यमुना स्नान करने चले गए। लौटने के बाद दोनों ने शिवलिंग उठाने का प्रयास किया, लेकिन शिवलिंग नहीं उठे। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दौरान आकाशवाणी हुई कि भगवान शिव अचलेश्वर रूप में इसी स्थान पर विराजमान हो चुके हैं। तभी से दोनों शिवलिंग यहीं विराजमान माने जाते हैं।

## गाय के दूध से सामने आए शिवलिंग

कैलाश मंदिर से जुड़ी एक अन्य लोककथा करीब 1500 वर्ष पुरानी बताई जाती है। कहा जाता है कि स्वामी गांव में रहने वाले एक ग्वाले की गाय रोजाना एक मिट्टी के टीले पर अपना दूध गिरा देती थी। ग्वाले को शक हुआ कि कोई उसकी गाय का दूध निकाल रहा है। एक दिन उसने गाय का पीछा किया तो वह टीले पर अपने आप दूध चढ़ाती दिखाई दी। ग्वाले ने ग्रामीणों को बुलाकर वहां खुदाई कराई। खुदाई में दो शिवलिंग दिखाई दिए। ग्रामीणों ने दोनों शिवलिंगों को वहां से निकालकर गांव ले जाने का प्रयास किया, लेकिन काफी गहराई तक खुदाई के बाद भी उनका सिरा नहीं मिला। इसके बाद उसी स्थान पर छोटी कुटिया बनाकर पूजा शुरू कर दी गई। समय के साथ यहां मंदिर का निर्माण हुआ और कई बार इसका जीर्णोद्धार कराया गया। कैलाश मेले पर स्थानीय अवकाश की कहानी भी बेहद रोचक बताई जाती है। मान्यता है कि अंग्रेज शासनकाल में एक अंग्रेज कलेक्टर कैलाश महादेव मंदिर पहुंचे थे। उनके को महंत के कहने पर उन्होंने भगवान कैलाश महादेव से इतना प्रसि की मन्नत मांगी। मान्यता के अनुसार उनकी मनोकामना पूरी हुई और उनके घर संतान का जन्म हुआ। इसके बाद उन्होंने कैलाश मेले के दिन स्थानीय अवकाश घोषित कर दिया। हालांकि इतिहासविदों के अनुसार कैलाश मेले पर स्थानीय अवकाश की परंपरा काफी पुरानी है। पुराने समय में सिकंदरा क्षेत्र में मेला लगता था, जहां लड़बाज अपने दांव-पेच दिखाते थे। समय के साथ कैलाश मंदिर का मेला सावन के तीसरे सोमवार की प्रमुख पहचान बन गया। कैलाश मेले को लेकर रविवार शाम से ही मंदिर और आसपास के क्षेत्र में वहल-पहल बढ़ गई थी। गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़िए जलाभिक की तैयारी में जुटे रहे। सोमवार सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ने की उम्मीद है। स्थानीय अवकाश के चलते शहर के लोगों के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के कैलाश मंदिर पहुंचने की संभावना है।

की भीड़ उमड़ने लगी थी। दूर-दराज से गंगाजल लेकर जलाभिकेक और दर्शन के लिए मंदिर पहुंचते रहे। आस्था का सैलाब उमड़ने की उम्मीद है। मेले को देखते पहुंचे कांवड़िए भी भगवान कैलाश महादेव के सोमवार को मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में हुए यातायात व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है।

## शहीद स्मारक पर गूंजा देशभक्ति का संदेश, तिरंगा फहराकर अमर शहीदों को किया नमन

बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने बांधा समां, स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों का सम्मान — एक पेड़ मां के नाम और स्वच्छता का दिया संदेश



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को संजय प्लेस स्थित शहीद स्मारक पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुनर्हाार मंत्री श्रीमती बेबीरानी मौर्य ने राष्ट्रध्वज फहराकर समारोह का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने शहीद स्मारक पर अमर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर देश के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। गुब्बारे उड़ाकर उन्होंने जिलेवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। समारोह में जिलाधिकारी मनीष बंसल और मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह ने मुख्य अतिथि का सम्मान किया। कार्यक्रम में वंदे मातरम का सामूहिक गायन हुआ। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गान और देशभक्ति गीतों पर मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। संस्कृति विभाग के कलाकारों ने लोकगीतों के माध्यम से शहीदों की वीरगाथा प्रस्तुत की। शहीदों के परिजनों का सम्मान समारोह में स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों को मुख्य अतिथि एवं

## राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान

मुख्य अतिथि बेबीरानी मौर्य ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि उन अमर बलिदानियों को याद करने और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का संकल्प लेने का दिन है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि देश आज आत्मनिर्भरता के साथ विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश में भी विकास, सुशासन, सुरक्षा और जनकल्याण की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब प्रत्येक नागरिक शिक्षित, सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बने। इसके लिए जाति, धर्म और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने लोगों से अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने, बेटियों का सम्मान करने और देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देने की अपील की।

## युवाओं से बड़े सपने देखने की अपील

मंत्री ने बच्चों और युवाओं का आह्वान किया कि वे देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम से प्रेरित होकर बड़े सपने देखें और यह सोचें कि देश, समाज, महिलाओं तथा विकास के लिए वे क्या बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी सकारात्मक पहल ही भविष्य में बड़े बदलाव का आधार बनती हैं।

## एक पेड़ मां के नाम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

समारोह में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को लेकर भी विशेष संदेश दिया गया। बेबीरानी मौर्य ने कहा कि स्वच्छ और हरा-भरा आगरा ही हमारी पहचान और गर्व का विषय बने। उन्होंने लोगों से हाफ़क पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत पौधारोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लगाया गया पौधा पर्यावरण संरक्षण के साथ मां की स्मृति और सम्मान का भी प्रतीक बनेगा। उन्होंने लोगों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने और कहीं कूड़ा दिखाई देने पर उसे हटाने की पहल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस भारत, उत्तर प्रदेश और आगरा को स्वच्छ, सुंदर, हरा-भरा और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लेने का अवसर है। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी मनीष बंसल ने सभी गणमान्य अतिथियों, अधिकारियों, शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों, छात्र-छात्राओं तथा उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया। समारोह में मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन आजाद भगत सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संदीप वर्मा, अपर जिलाधिकारी नगर यमुनाधर चौहान, अपर जिलाधिकारी टोटाकोल अमरेंद्र वर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट अमित शुक्ला, क्षेत्रीय तुर्येन अधिकारी शक्ति सिंह, बीएसए राकेश कुमार सिंह, डीएसओ आनंद कुमार सिंह, डीपीआरओ मनीष कुमार, पीडी डीआरडीए रेनु कुमारी, पीडी मनरेंगा रामायन यादव, उपनिदेशक कृषि मुकेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी, शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, स्कूली छात्र-छात्राएँ और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने अंगवस्त्र, शॉल और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान सम्मान पाने वाले परिवारों में भावुकता का माहौल दिखाई दिया। हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगे तैयार करने वाले स्वयं सहायता समूह की

महिला सदस्यों, पीआरडी जवानों तथा विभिन्न विद्यालयों में आयोजित निबंध, चित्रकला, भाषण और सुलेख प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

## करोड़ों की ठगी कर भागे दो आरोपी मवाना में पकड़े



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। निवेश की रकम दोगुनी करने का लालच देकर लोगों से करोड़ों रुपये हड़पने के मामले में कमला नगर पुलिस और सर्विलांस टीम ने दो वांछित आरोपियों को मवाना से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए मवाना की ग्रेटर कालोनी में एक पररिचित के घर छिपे हुए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बलेनो कार भी बरामद की है। कमला नगर थाने में 10 जून को दर्ज शिकायत में पीड़ितों ने बताया था कि आरोपियों ने उन्हें निवेश के नाम पर बड़ा मुनाफा कमाने का भरोसा दिया। आरोपियों ने खुद को एसबीएनएल वर्ल्ड नाम की निवेश कंपनी चलाने वाला बताया और कहा कि कंपनी जमीन-जायदाद समेत अलग-अलग जगहों पर पैसा लगाती है। लोगों को बताया गया कि तय समय के बाद उनकी रकम दोगुनी हो जाएगी। इस लालच में वर्ष 2023 से 2025 के बीच अलग-अलग लोगों से बैंक खातों और नकद के जरिए करीब दो करोड़ 26 लाख 50 हजार रुपये ले लिए गए।

पुलिस के मुताबिक लोगों का भरोसा जीतने के लिए आरोपियों ने निवेश से जुड़े कागज भी तैयार कराए। शुरूआत में कुछ लोगों को रकम वापस की गई। इससे निवेशकों को लगा कि पैसा सुरक्षित है और तय समय पर अच्छा मुनाफा मिलेगा। भरोसा बढ़ने के बाद लोगों ने और रकम लगा दी। जब निवेश की अवधि पूरी हुई तो पीड़ितों ने अपनी रकम और मुनाफा वापस मांगा।

आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने रकम लौटाने से हाथ खड़े कर दिए और लोगों को टालने लगे। काफी समय तक रकम नहीं मिलने पर पीड़ित कमला नगर थाने पहुंचे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस टीमों ने आरोपियों के ठिकानों की जानकारी जुटानी शुरू की। सर्विलांस टीम भी आरोपियों की तलाश में लगाई गई। इसी दौरान 15 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली कि मामले में वांछित युवराज सिंह और राहुल सोनी मवाना में एक पररिचित के घर छिपे हुए हैं।

सूचना मिलते ही कमला नगर पुलिस और सर्विलांस टीम ने ग्रेटर कालोनी में दबिश दी और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान युवराज सिंह पुत्र माणिक चंद्र निवासी चमरोली, शमशाबाद और राहुल सोनी पुत्र नागपाल सोनी निवासी इंदूपुरम, राजपुर चुंगी, आगरा के रूप में हुई। पुलिस ने उनके कब्जे से एक बलेनो कार बरामद की है। पुलिस अब इस पूरे ठगी के खेल में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। साथ ही निवेशकों से ली गई रकम कहां इस्तेमाल की गई और किन खातों में भेजी गई, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने पर ठगी से जुड़े और लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार सैनी का कहना है कि मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ ठगी से जुड़े अन्य तथ्यों और आरोपियों की भूमिका भी सामने आ सकती है।

## मालिक हैदराबाद गया, ड्राइवर ने पिता संग रच दी 40 लाख की चोरी की फिल्मी साजिश



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। दिन में मालिक का भरोसेमंद ड्राइवर और रात में उसी भरोसे की पीठ में छुपा घोपने वाला चोर। सिकंदरा मंडी की फल की दुकान में हुई 40 लाख रुपये से ज्यादा की चोरी की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। मालिक के हैदराबाद जाने की जानकारी मिलते ही ड्राइवर ने अपने पिता के साथ मिलकर दुकान में सेंध लगाने की साजिश रच डाली। रात के अंधेरे में खेतों के रास्ते दुकान तक पहुंचे। रोशनदान काटा और अंदर दाखिल होकर नोटों की गड़बियां समेट लीं। अगले दिन वही ड्राइवर मालिक को दिल्ली छोड़ने भी पहुंच गया, जैसे उसे चोरी की कोई जानकारी ही न हो। मामले की शुरूआत एक अगस्त से हुई। दुकान मालिक हैदराबाद चला गया था। पांच अगस्त की सुबह आगरा लौटकर जब वह सिकंदरा मंडी स्थित अपनी फल की दुकान पर पहुंचा तो दुकान का रोशनदान टूटा मिला। अंदर रखी लाखों रुपये की रकम गायब थी। दुकान का यह हाल देखकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। सूचना पुलिस तक पहुंची तो सिकंदरा पुलिस ने चोरी की गुन्थी सुलझाने के लिए जांच शुरू की।

पुलिस ने दुकान से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाई तो शक की सुई ड्राइवर शिशुपाल पर जाकर टिकने लगी। शिशुपाल को दुकान की पूरी जानकारी थी। वह मालिक की गाड़ी चलाने के साथ फल की दुकान पर भी बैठता था और जरूरत पड़ने पर बैंक में रुपये जमा करने भी जाता था। उसे पता था कि दुकान में बड़ी रकम रखी रहती है और यह भी मालूम था कि मालिक कब शहर से बाहर जा रहा है। पुलिस के मुताबिक एक अगस्त को मालिक के हैदराबाद जाने की जानकारी शिशुपाल को पहले से थी। बस फिर क्या था, उसने अपने पिता वीरू को भी साजिश में शामिल कर लिया। दोनों ने दुकान को निशाना बनाने की योजना बनाई। 31 जुलाई की रात खेतों के रास्ते दुकान के पास पहुंचे। आसपास की हलचल पर नजर रखी और मौका मिलते ही दुकान का रोशनदान काट दिया। इसके बाद दोनों अंदर घुसे और नोटों की गड़बियां एक थैले में भरकर निकल आए। लेकिन कहानी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

टूटडला। थाना जीआरपी टूण्डला जंक्शन पुलिस टीम ने आपराधिक मामलों में वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे में लंबे समय से वांछित चल रहे एक स्थायी वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त को उसके मस्कन से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पुलिस महानिदेशक रेलवे लखनऊ के आदेश, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज के पर्ववेक्षण तथा पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग आगरा के निर्देशन और पुलिस उपाधीक्षक रेलवे इटावा के निकट पर्ववेक्षण में रेलवे स्टेशनों एवं चलती ट्रेनों में आपराधिक घटनाओं की रोकथाम तथा वांछित, वारंटी एवं इनामिया अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

## चंबल की तेज धार में बहा यात्रियों से भरा स्टीमर, मवीं चीख-पुकार



मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। चंबल नदी के केजरा घाट पर रविवार को बड़ा हादसा होते-होते बच गया। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाले घाट पर यात्रियों को लेकर चल रहे स्टीमर में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। मध्य प्रदेश की सीमा में पहुंचते ही स्टीमर बंद हो गया और चंबल के तेज बहाव में यात्रियों के साथ बहने लगा। स्टीमर पर करीब 50 से 60 यात्री सवार थे। अचानक स्टीमर के रुकने और बहाव में बहने से यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हालांकि कर्मचारियों ने स्थिति संभाली और बहता हुआ स्टीमर मध्य प्रदेश के अंटेर क्षेत्र के कछुरा घाट पर जाकर किनारे लग गया। स्टीमर में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्टीमर मध्य प्रदेश की ओर से यात्रियों को लेकर उत्तर प्रदेश के केजरा घाट की तरफ आ रहा था। चंबल नदी की धार के बीच पहुंचने के बाद अचानक उसमें तकनीकी खराबी आ गई। इंजन बंद होते ही स्टीमर का नियंत्रण प्रभावित हुआ और वह नदी के बहाव के साथ बहने लगा। कुछ देर तक यात्रियों में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। तेज धार के बीच स्टीमर के बहने से लोगों की सांसें अटक गईं। स्टीमर पर सवार यात्रियों में बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी थे जो अपनी बाइक लेकर नदी पार कर रहे थे। बताया गया कि स्टीमर पर 50 से 60 यात्रियों के साथ करीब 50 बाइक भी थीं। अचानक आई खराबी के बाद यात्रियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने किसी तरह यात्रियों को संभाला और स्टीमर को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसी बीच

नदी का तेज बहाव स्टीमर को बहाकर मध्य प्रदेश के अंटेर क्षेत्र की ओर ले गया। गनीमत रही कि बहते हुए स्टीमर को कछुरा घाट पर किनारा मिल गया। इसके बाद यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया। हादसे में किसी के नदी में गिरने या जनहानि की सूचना नहीं है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें चंबल की तेज धार के बीच स्टीमर बहता नजर आ रहा है और यात्रियों में अफरा-तफरी की स्थिति दिखाई दे रही है। घटना की जानकारी प्रशासन तक पहुंचने के बाद सुरक्षा को लेकर तत्काल कदम उठाए गए। पिनाहट घाट पर स्टीमर का संचालन प्रशासन ने बंद करा दिया। अधिकारियों ने स्टीमर में आई तकनीकी खराबी और संचालन से जुड़े सुरक्षा इंतजामों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

खराबी का वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। चंबल नदी का बहाव तेज होने के कारण यहां नाव और स्टीमर संचालन में सुरक्षा बेहद अहम है। ऐसे में यात्रियों से भरते स्टीमर के बीच नदी में बंद होने और बहने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन की ओर से पिनाहट घाट पर संचालन बंद किए जाने के बाद अब स्टीमर की तकनीकी स्थिति और यात्रियों को सुरक्षा से जुड़े इंतजामों की जांच पर नजर है। यह मामला आगरा के थाना बावौनी क्षेत्र के केजरा घाट से जुड़ा है, जबकि स्टीमर के बहकर मध्य प्रदेश के अंटेर क्षेत्र के कछुरा घाट पर पहुंचने की बात सामने आई है। राहत की बात यह रही कि चंबल की तेज धार में बहने के बावजूद स्टीमर सुरक्षित किनारे लग गया और उसमें सवार सभी यात्रियों की जान बच गई।







# कासगंज में आजादी का जश्न, शान से लहराया तिरंगा

## डीएम ने कलेक्ट्रेट में किया ध्वजारोहण, पुलिस लाइन में एसपी ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

मोर्निंग सिटी

**कासगंज।** 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को कासगंज जनपद देशभक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, पुलिस लाइन और स्थानीय संस्थानों में ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान हुआ। सुबह से ही शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में देशभक्ति के गीतों की गूंज सुनाई दी। विभिन्न स्थानों पर प्रभात फेरी, तिरंगा यात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रमों में भाग लिया। शहरभर में ह्हर घर तिरंगाह्ह अभियान के तहत लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस की खुशियां मनाई।

कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और ध्वज को सलामी दी।

ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान हुआ। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को रक्षा का संकल्प लिया। जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और देश के वीर सपूतों को नमन करते हुए कहा कि आजादी अनेक वीरों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। उन्होंने सभी से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया।

### भाजपा ने धूमधाम से मनाया स्वतंत्रता दिवस

**मोर्निंग सिटी कासगंज।** 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय, कासगंज पर जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को नमन किया। उन्होंने जिलावासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन अवसर देश के वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और बलिदान को नमन करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए प्रत्येक नागरिक को सर्वेद समर्पित रहना चाहिए तथा देश के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। इस दौरान सभी ने राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला कोषाध्यक्ष शरद गुप्ता, शिवकुमार भारद्वाज, राजवीर भल्ला, रामनिवास राजपूत, अनुरोध प्रताप सिंह, डॉ. मनोज शर्मा, प्रेम नारायण सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### धूमधाम से मनाई गई हरियाली तीज उत्सव

**मोर्निंग सिटी कासगंज।** अमांपुर कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्र में शनिवार को हरियाली तीज उत्सव की धूम रही। महिलाओं ने एक दिन पहले ही मेहंदी लगा ली थी। महिलाओं ने सुबह से ही सुंदर वस्त्र पहने और सोलह श्रृंगार किया। जिन महिलाओं की शादी के बाद पहला तीज है वह खास तौर पर तैयार हुई। उन्होंने गौरा-गौरी की पूजा अर्चना कर परिवार की खुशहाली की कामना की। सुहागिनों ने परंपरा के अनुसार बायना देकर आशीर्ष प्राप्त किया। हरियाली तीज पर्व को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया। घरों में सुबह से ही तैयारियां शुरू कर दी गईं। घरों की साफ-सफाई के बाद पकवान बनाने का दौर शुरू हो गया। महिलाओं ने तरह तरह के पकवान तैयार किए। इसके बाद मिष्ठि के गौरा-गौरी बनाकर विधि-विधान पूर्वक चैक पर बिराजमान कराकर पूजन किया। मान्यता है कि तीज पर गौरी की पूजा करने से माता पार्वती दान्पत्य जीवन को खुशियों से भर देती है। इसी के चलते सुहागिन महिलाओं ने पूजा अर्चना के बाद मनोतिथा मारंगी। साथ ही पति की लम्बी आयु के लिए उपवास भी रखा।

### कासगंज में पंचायत के बीच चली गोली, एक घायलय दो आरोपी दबोचे गए

**मोर्निंग सिटी कासगंज।** कोतवाली कासगंज क्षेत्र के कादरपुर गांव में शनिवार शाम पंचायत के दौरान विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। शौचालय में पानी डालने को लेकर चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों के लोग पंचायत में जुटे थे। इसी दौरान हुई गोलीबारी में एटा निवासी रामनरेश (45) के दाहिने कंधे में गोली लग गई। घायल को जिला अस्पताल कासगंज में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार घटना 15 अगस्त की शाम करीब 3ः50 बजे हुई। कादरपुर निवासी सुमित (20) का अपने चाचा शैलेश से विवाद चल रहा था। सुबह भी दोनों पक्षों में कहासुनी हुई थी, लेकिन बाद में समझौता हो गया था। शाम को एटा से रिश्तेदारी के पहुंचने पर पंचायत शुरू हुई। इसी दौरान मामला फिर बिगड़ गया और आरोप है कि अकित्त ने गोली चला दी। गोली रामनरेश के कंधे में लगी। अफरा-तफरी के बीच भाग रहे अकित (20) और प्रियांशु (18) को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने अकित के कब्जे से तमचा बरामद किया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

### इयूटी के दौरान फायरमैन की बिगड़ी तबीयत, मौत

**मोर्निंग सिटी कासगंज।** पटियाली थाना क्षेत्र के थाना गांव स्थित फायर स्टेशन पर रातको को इयूटी के दौरान फायरमैन राजेश कुमार (50) की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद साथी कर्मचारी उन्हें तत्काल सीएससी पटियाली लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी सिरके और मृतक के परिजन अस्पताल पहुंच गए। राजेश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोराम मच गया। राजेश कुमार पुत्र प्रकाश चंद निवासी शेखपुरा, थाना बागवाला, जिला एटा अगस्त 2017 से कासगंज जनपद में फायरमैन के पद पर तैनात थे। वर्तमान में उनकी इयूटी थाना गांव स्थित फायर स्टेशन पर थी। रविवार सुबह करीब 11 बजे इयूटी के दौरान अचानक उनके सीने में तेज दर्द हुआ और हालत बिगड़ गई। साथी कर्मचारी उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन जान नहीं बच सकी। मृतक के छोटे भाई अकित कुमार ने बताया कि राजेश के 22 वर्षीय पुत्र हनी और 16 वर्षीय बेटी सोनम हैं। दोनों फतेहगढ़ में मां सुनीता के साथ रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। सीएसपी आरके तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या हार्ट अटैक से मौत होना प्रतीत हो रहा है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

### गुल्लक लूटने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, 13,120 रुपये बरामद

**मोर्निंग सिटी कासगंज।** सोरों कोतवाली क्षेत्र में दुकान से नकदी से भरी गुल्लक लूटने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटे गए 13,120 रुपये, घटना में प्रयुक्त बाइक, तमचा और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम कार्यवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया। इस्पेक्टर लोकेश भाटी ने बताया कि गत दिनों दुकान से नकदी से भरी गुल्लक लूटने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। रविवार को सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बरकुला रोड से सचिन पुत्र राजपाल यादव निवासी चक्रपुर सोरों, रोहित पुत्र रविकांत यादव निवासी नगला लाले सोरों और उसवीर पुत्र राजेन्द्र निवासी नगला लाले सोरों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से लूटी गई गुल्लक समेत नकदी और हथियार बरामद हुए। पुलिस ने आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी जुटाया है। गिरफ्तारी टीम में एसआई प्रहलाद सिंह समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

## कासगंज

# कासगंज में आजादी का जश्न, शान से लहराया तिरंगा

#### कलेक्ट्रेट में राष्ट्रध्वज को सलामी

कलेक्ट्रेट परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमापूर्ण माहौल में आयोजित हुआ। जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। राष्ट्रगान के दौरान पूरा परिसर देशभक्ति के भाव से ओतप्रोत नजर आया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

#### पुलिस लाइन में गूंजा राष्ट्रगान, वीर शहीदों को किया नमन

पुलिस लाइन कासगंज में पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगान का आयोजन हुआ। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। एसपी ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व च्योछावर करने वाले वीर सपूतों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके संघर्ष और त्याग से ही देश को गुलामी की बेड़ियों से मुक्ति मिली। इस अवसर पर पुलिसकर्मियों ने देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प लिया। पुलिस लाइन परिसर में स्वतंत्रता दिवस को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। अधिकारियों ने जवानों को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया। पुलिस लाइन में ध्वजारोहण के बाद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प लिया। समारोह में शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। जनपद के विभिन्न विद्यालयों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों में ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान हुआ। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, भाषण, नृत्य, नाटक और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों ने स्वतंत्रता संग्राम और देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन पर आधारित प्रस्तुतिया भी दीं। विद्यालय परिसरों में शिक्षकों ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में जानकारी दी। बच्चों में तिरंगे को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। कई विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने तिरंगा हाथ में लेकर प्रभात फेरी भी निकाली। स्वतंत्रता दिवस की सुबह विभिन्न विद्यालयों और संस्थानों से प्रभात फेरिया निकाली गईं। हाथों में तिरंगा लेकर बच्च और युवा देशभक्ति के नारे लगाते हुए आगे बढ़े। प्रभात फेरी के दौरान लोगों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। जनपद में तिरंगा यात्रा को लेकर भी लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर निकले लोगों ने देशभक्ति के नारे लगाए। तिरंगा यात्रा के दौरान लोगों में राष्ट्रीय एकता और भाईचारे का संदेश देखने को मिला। ह्हर घर तिरंगाह्ह अभियान के तहत शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोगों ने अपने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराया। राष्ट्रीय ध्वज से सजे घर और बाजार स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को और आकर्षक बना रहे थे। बच्चों और युवाओं ने भी अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

#### घर-घर लहराया तिरंगा

ह्हर घर तिरंगाह्ह अभियान के तहत लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश के प्रति सम्मान और गौरव व्यक्त किया। कई स्थानों पर तिरंगे के साथ सेल्फी और फोटो लेने का भी उत्साह दिखाई दिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में देश के वीर शहीदों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान को प्रमुखता से याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आजादी केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि उन अनगिनत वीरों के त्याग की याद है, जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनके संघर्ष ने आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता, लोकतंत्र और राष्ट्रप्रेम का मार्ग दिखाया।

#### देशभक्ति के रंग में रंगा कासगंज

स्वतंत्रता दिवस पर कासगंज में सुबह से ही उत्सव का माहौल रहा। तिरंगे से सजे बाजार, देशभक्ति गीत, प्रभात फेरी, सांस्कृतिक कार्यक्रम और तिरंगा यात्राओं ने पूरे जनपद को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। सरकारी कार्यालयों से लेकर विद्यालयों तक लोगों ने राष्ट्रीय पर्व को उत्साह और गरिमा के साथ मनाया।

## अमांपुर में धूमधाम से मनाई रानी अवंतीबाई की जयंती

मोर्निंग सिटी

**कासगंज।** अमांपुर कस्बा में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी लोक कल्याण समिति के तत्वाधान में वीरांगना रानी अवंतीबाई की 195 वीं जयंती हवन-पूजन कर धूमधाम से मनाई गई। रविवार को कासगंज रोड स्थित वीरांगना रानी अवंतीबाई पार्क में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक हरिओम वर्मा संग पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन में आहुतियां देकर विश्व कल्याण और परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। क्षेत्रीय विधायक हरिओम वर्मा ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ वीरांगना रानी अवंतीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बलिदान को याद किया गया। सभी ने उनके बत्ताए गए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। क्षेत्रीय विधायक हरिओम वर्मा ने बताया कि वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी ने 1857 की



क्रांति में अंग्रजों को भागने पर विवश दिया। उनके योगदान को देश और समाज कभी भुला नहीं सकेगा। प्रधानाचार्य डॉ रामजीलाल वर्मा ने कहा कि हमें शहीदों की कुबानी से सीख लेनी चाहिए। लक्ष्मण सिंह ओपरेटर, डॉ भगवान सिंह राजपूत, मंडल उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र वर्मा ने कहा कि हमें उनके आदर्शों व विचारों को आत्मसात भी करना चाहिए। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजपाल सिंह, सहाब सिंह वर्मा, लक्ष्मण सिंह वर्मा, पीसी वर्मा, रामजीलाल वर्मा, ब्लॉक प्रमुख कृष्णा राजपूत, डॉ भगवान सिंह वर्मा, दिनेश वर्मा, नरेश बाबू लोधी, पुष्पेंद्र वर्मा, प्रधान राजू वर्मा, मुकेश वर्मा, देवेन्द्र वर्मा, वीरेंद्र वर्मा, पंकज वर्मा, राजकुमार वर्मा, प्यारे लाल वर्मा, राजकुमार वर्मा, हरिओम मेडिकल, सुभाष वर्मा, प्रधान बहोरी वर्मा, त्रिमल सिंह, हरीश लोधी, राजकुमार लोधी, उत्कर्ष वर्मा, अनिल वर्मा, गमनेश लोधी, पुष्पेंद्र आरएसएस, सुनील, विवेक वर्मा, राहुल, गुड्डू, केपी वर्मा, गुरु प्रसाद, सजय वर्मा, मुनेंद्र राजपूत, महेंद्र वर्मा, डॉ विक्रम राजपूत, प्रशांत वर्मा, मनोज वर्मा, दिनेश राजपूत, प्रधान रूपकिशोर वर्मा, देवेंद्र लोधी सहित आदि मौजूद रहे।

## चंदन गुप्ता की स्मृति में निकाला कैडल मार्च, लॉबित मांगें पूरी करने की उठी आवाज

मोर्निंग सिटी

**कासगंज।** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चंदन गुला की स्मृति में कैडल मार्च निकाला गया। इस दौरान उनकी प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए गए और भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने चंदन गुप्ता के बलिदान को याद करते हुए उनके परिवार की लॉबित मांगों को शीघ्र पूरा किए जाने की मांग उठाई। चंदन गुप्ता के भाई विवेक गुप्ता ने कहा कि 26 जनवरी 2018 को तिरंगा यात्रा के दौरान चंदन गुप्ता की हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद सरकार की ओर से चंदन चैक बनाए जाने और परिवार के सदस्य को नौकरी देने सहित कई आश्वासन दिए गए थे, लेकिन वर्षों बीतने के बावजूद इन पर अपेक्षित कार्यवाई नहीं हुई। विवेक गुप्ता ने आरोप लगाया कि गृह मंत्रालय और



मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से आदेश एवं निर्देश जारी होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन द्वारा मांगों के संबंध में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने कहा कि परिवार अपने हक के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने

मोर्निंग सिटी

**कासगंज।** महिला सुरक्षा एवं नारी सशक्तिकरण के तहत रविवार को जीआरपी कासगंज पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर महिला यात्रियों को जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक रेलवे, आगरा के निर्देश पर चलाए गए अभियान में मिशन शक्ति, जहरखुरानी और आपातकालीन सेवाओं के संबंध में यात्रियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को यात्रा के दौरान सतर्क रहने तथा किसी अजनबी व्यक्ति से खाने-पीने की वस्तु नहीं लेने की सलाह दी। संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल निकटतम सुरक्षा कर्मी को सूचना देने के लिए भी जागरूक किया गया। महिला यात्रियों को आपात स्थिति में डायल 112 पुलिस सेवा, 1090 वीमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस, 102 गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की एंबुलेंस सेवा, 101



अग्निशमन सेवा, 1930 साइबर हेल्पलाइन और 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी गई। जीआरपी पुलिसकर्मियों ने रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म, सकुरलेंटिंग एरिया, वेटिंग रूम तथा

प्रवेश-निकास द्वार सहित विभिन्न स्थानों पर जागरूकता संबंधी पंपलेट चस्पा किए।

यात्रियों को बुकलेट और पंपलेट वितरित कर सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

### रानी अवंती बाई का त्याग राष्ट्रहित में था–हरिओम वर्मा

मोर्निंग सिटी

**कासगंज।** विकासखंड अमांपुर के ग्राम बढ़ारी खुर्द में अमर शहीद वीरांगना रानी अवंती बाई की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन अमांपुर विधायक हरिओम वर्मा ने किया। इस दौरान लोधी अधिकारी कर्मचारी संघ के राष्ट्रीय महासचिव विजय राजपूत ने रानी अवंती बाई के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें मेडल व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

विधायक हरिओम वर्मा ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई का त्याग और बलिदान किसी जाति विशेष के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में था। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर देश के इतिहास में अमिट छाप छोड़ी।

राष्ट्रीय महासचिव विजय राजपूत ने कहा कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 की क्रांति में रानी अवंती बाई की भूमिका प्रेरणादायी रही। उनका बलिदान देश की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को उनके



संघर्ष और देशभक्ति से प्रेरणा लेनी चाहिए। सत्येंद्र कुमार उर्फ बंदू भैया ने कहा कि रानी अवंती बाई के बलिदान को जातीयता के दायरे में नहीं बांधना चाहिए। सर्वजातीय सहभागिता वाले कार्यक्रमों के माध्यम से उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। इस अवसर पर मेहताब सिंह प्रधान, डॉ. सोनू, नरेंद्र कुमार, जीतू, प्रदीप साहू,

डेविड, हेम सिंह, रोहित, पंकज, विकास, सुनील, उदयवीर, राजवीर सिंह, सुशील कुमार, जयवीर सिंह, पूरन सिंह, विक्रम सिंह, भोला, शिव कुमार, गजराज सिंह, अमर सिंह, विष्णु, श्यामवीर, सोनी, अजय, के-के, रविप्रकाश, योगेश, योगेंद्र, नंदन, राकेश, मनोज, विजय सिंह और हरिवदन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

## जीआरपी थाने में हर्षोल्लास से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस



पुलिसकर्मियों से अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उ पनिरिक्षक अशोक कुमार, विनिन कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।



### वंदे मातरम के अपमान के विरोध में भाजपा ने निकाला मशाल जुलूस

मोर्निंग सिटी कासगंज। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा वंदे मातरम के कथित अपमान के विरोध में भारतीय जनता पार्टी कासगंज के कार्यकर्ताओं ने रविवार को विरोध स्वरूप मशाल जुलूस निकाला। जुलूस का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा एवं युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप प्रतिहार ने संयुक्त रूप से किया। मशाल जुलूस भाजपा जिला कार्यालय से शुरू होकर अम्बेडकर पार्क, सोरों गेट तक पहुंचा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हार्वंदे मातरम्ह के सम्मान में नारेबाजी करते हुए कांग्रेस के खिलाफ विरोध जताया। भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि राष्ट्रगीत ख्वंदे मातरम का अपमान देश की भावनाओं और संविधान की मूल भावना का अपमान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को इस विषय पर देश से माफी मांगनी चाहिए। साथ ही कांग्रेस को अपनी राष्ट्रविरोधी नीतियों को त्यागकर राष्ट्र और संविधान का सम्मान करना चाहिए। जुलूस में शरद गुप्ता, राजवीर भल्ला, केपी सिंह, योगेंद्र वैहान, विजय लक्ष्मी, अनुरोध प्रताप, डॉ. खूब सिंह, आकाश दीप राय, संजय सोलंकी, डॉ. मनोज शर्मा, प्रशांत राजपूत, मोहित तेजधारी, अरविन्द पाण्डेय सहित भाजपा पदाधिकारी, युवा मोर्चा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### अशोक नगर के गंदे नाले में मिला नवजात का शव, मचा हड़कंप

**मोर्निंग सिटी कासगंज।** शहर के अशोक नगर स्थित गंदे नाले में सफाई के दौरान एक नवजात शिशु का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सफाई कर्मी नाले की सफाई कर रहे थे, तभी उन्हें नवजात का शव दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस कोके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, नवजात शिशु लड़के का है। शव की पहचान कराने के लिए आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खगालनी शुरू कर दी है। फुटेज के माध्यम से नवजात के शव को नाले में फेंकने वाले व्यक्ति के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और नवजात के शव की पहचान के साथ घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।



# सट्टी पुलिस ने चोरी का किया खुलासा,दो गिरफ्तार, सामान बरामद

मोर्निंग सिटी

राजपुर (कानपुर देहात) सट्टी थाना क्षेत्र में एक निमाणाधीन फैक्ट्री में हुई चोरी का सट्टी पुलिस, सर्वािलांस और एसओजी टीम ने खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी का सामान और घटना में प्रयुक्त ऑटो भी बरामद किया गया है।हालांकि अभी चोरी हुआ कुछ सामान का अभी खुलासा नहीं हो पाया है।

ज्ञात हो कि यह चोरी 29 जुलाई की रात थाना सट्टी क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुर स्थित वीएनयू ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज की निमाणाधीन फैक्ट्री में हुई थी। वादी रामकुमार कटियार की शिकायत पर सट्टी थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। सट्टी थानाध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि सोमवार को पुलिस टीम ने रूरगांव ढिकची मोड़ से भोगनीपुर की ओर जाने वाले मार्ग से करनवीर सिंह (32) और अजीत सिंह (28) को गिरफ्तार किया।

अभियुक्तों के पास से एक इंप्रो कंपनी का इन्वर्टर, तीन एक्साइड कंपनी की बैटरी और घटना में इस्तेमाल किया गया टीवीएस वेगो ऑटो (नंबर यूपी 77 बीएन 6653) बरामद



हुआ। पृष्ठतः में एक अन्य अभियुक्त अंशु (25) का नाम भी सामने आया है, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।पुलिस की पंछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने अपने साथी अंशु के साथ मिलकर 29 जुलाई को फैक्ट्री में चोरी की थी। उन्होंने ऑटो की किस्त भरने और कर्ज चुकाने के लिए यह चोरी की थी। दोनों अभियुक्तों में से एक पर तीन और दूसरे पर दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं। मेडिकल परीक्षण के

बाद उन्हें जेल भेज दिया गया है।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक प्रवीण कुमार (सर्वािलांस टीम), उपनिरीक्षक कामता प्रसाद (थाना सट्टी), हेड कांस्टेबल अजीत सिंह (सर्वािलांस टीम), कांस्टेबल अजय कुमार (थाना सट्टी), कांस्टेबल विवेक कुमार (थाना सट्टी), कांस्टेबल अश्वनी कुमार (थाना सट्टी) और कांस्टेबल कपिल कुमार (सर्वािलांस टीम) शामिल थे।

# VNU ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज ने पत्रकारों और सट्टी पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया

मोर्निंग सिटी

सट्टी(कानपुर देहात) 16अगस्त ' थाना सट्टी क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुर में रविवार को शठव ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज की ओर से पत्रकार बंधुओं एवं पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भोगनीपुर विधानसभा के पूर्व विधायक विनोद कटियार ने दीप प्रज्वलित कर पत्रकारों और पुलिसकर्मियों को पट्टीका व फूलमाला पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया '

बताया गया कि कुछ समय पूर्व कुंवरपुर स्थित शठव कंपनी इंडस्ट्रीज में बैटरी समेत अन्य सामान की चोरी की घटना हुई थी। जिसकी खबर को मॉर्निंग सिटी के जिला संवाददाता मोहम्मद शहजादे के अलावा अन्य न्यूज संस्थानों के पत्रकार बंधुओं ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसके बाद हरकत में आई थाना सट्टी पुलिस द्वारा गहन जांच-पड़ताल करते हुए चोरी की घटना का खुलासा किया जा चुका है '

इसी के उपलक्ष्य में शठव ग्रुप की टीम एवं पूर्व विधायक विनोद कटियार द्वारा पुलिस स्टाफ में एसआई शैलेन्द्र कुमार, कामता प्रसाद व कांस्टेबल अजय कुमार के अलावा पत्रकार बंधुओं में कमाल अहमद,मोहम्मद शहजादे,आशु श्रीवास्तव,इकबाल अहमद,धीरेन्द्र यादव समेत



अन्य पत्रकार बंधुओ को सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. अंकुश कटियार,मंच संचालक डॉ. केके हॉस्पिटल

कटियार,प्रवीन राजपूत,सौरभ कटियार,अंकुर रावत,राजेश गौतम,चंदन गौतम,अंकित राजावत,अनुज कटियार,सुबोध कटियार, सुमित बाजपेई सहित शठव ग्रुप के समस्त सदस्य मौजूद रहे।

## संदिग्ध अवस्था में दुपट्टे के सहारे लटका मिला युवक का शव,पुलिस जाँच में जुटी

मोर्निंग सिटी

राजपुर(कानपुर देहात) थाना राजपुर कस्बा में वार्ड नंबर 3 अशोक नगर में एक युवक का शव का उसके घर की चौखट में लटकता हुआ मिलने से मोहल्ले में हड़कंप मच गया गया ' लोगों की सूचना पर पहुंची थाना राजपुर पुलिस टीम ने फरिनसिक टीम को मौजूदगी में गहनता से जाँच पड़ताल शुरू की ' बताते चलें कि मृतक आशीष दोहरे उम्र करीब 30 वर्ष जो कि मेहनत मजदूरी करके जीवन यापन करता था ' वहीं आज पूरा दिन अच्छे से बाजार व दुकानों में कई लोगों ने भी देखा जबकि शाम होते ही घर की चौखट में शव लटका हुआ मिलने से लोगों में हड़कंप मच गया ' वहीं बूढ़ी माँ रामकली व बुजुर्ग पिता लालाराम के बुढ़ापे का सहारा चला जाने का गम लिए रोते हुए नजर आये ' दबी जुबान में लोग आपस में बात करते हुए पुते गए कि मृतक व उसकी पत्नी के बीच कई दिनों से अनबन



चल रही थी ' जिसके बाद मृतक की पत्नी ससुराल से बिना बताये गुस्से में अपने मायके चली गई थी जिसके अवसाद में आकर उसने इतना बड़ा कदम उठाया और अपनी जीवन लीला खत्म कर ली ' वहीं

दूसरी ओर थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोचैरी भिजवाया ' जिसके बाद अन्य विधिक कार्यवाही की जाएगी '



की लापरवाही साफ साबित नजर आ रही है। जबकि भोगनीपुर चौराहा में भारी गड्डे होने के करण ट्रक गड्डों में गिर जाते हैं और पट्टा टूट जाता है जहां पीछे के बहान कतार बनाकर खड़े हो जाते हैं कई घंटे बाद ट्रक चालक अपनी अपनी गाड़ियों को हटाकर निकालने को

मजबूर हो जाते हैं जहां कभी-कभी झगड़ा की भी संभावना बन जाती है ऐसे में ट्रैफिक पुलिस नजर नहीं आती है इस संबंध में भोगनीपुर एसडीएम देवेन्द्र सिंह ने बताया कि गड्डों तत्काल प्रभाव से बराबर करए जाएंगे और क्षेत्र के लोगों की समस्या का समाधान किया जाएगा

मोर्निंग सिटी

भोगनीपुर (कानपुर देहात) जनपद कानपुर देहात के विकास खंड अमरीधा क्षेत्र के ग्राम पंचायत चाँदापुर गाँव में पिछले तीन सप्ताह से पानी की टंकी गाँव वालों के लिए सफेद हाथी साबित हो रही है ' ग्रामीणों के मुताबिक टंकी परिसर मे रखे ट्रांसफार्मर खराब हो गया है जिससे पानी की सप्लाई न होने से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ' अगर देखा जाये तो पानी की टंकी का सम्पूर्ण कार्य भी हो चुका है ' लेकिन ग्रामीणों को तीन सप्ताह बीतने के बाद भी एक बुन्द पानी नसीब नहीं हो पा रहा है ' वहीं करोड़ों की लागत से बनकर तैयार हुई पानी की टंकी में पूरा पानी भरने पर लीकेज होकर पानी टपकने लगता है ' बिल्डिंग मैटेरियल गुणवत्ताहीन लगाने से बाउंड्रीवाल व इंटरलॉकिंग टूट कर बेकार हो रही है ' टंकी परिसर के अंदर व बाहर चारों तरफ कटिदार झाड़ जमा होने से लोगों को निकलने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है ' करोड़ों की लागत से बनी पानी की टंकी का सही उपयोग ना होने से सरकार द्वारा दिए गए धन को बर्बाद किया जा रहा है ' जिसकी शिकायत



ग्रामीणों ने ऑनलाइन दर्ज कराने की बात कही है ' वहीं अधिकारियों व टेकेदारों की मिलीभगत से गाँव में पानी का संकट पैदा होने का गंभीर आरोप भी लगाया है ' वहीं आधे गाँव में पक्की सड़के व खूँड़े खोदकर पाइप लाइन तो बिछ दी गयी है परन्तु घरों के बाहर लगी टेंटी शोपीस बनकर रह गई है ' अब प्यास बुझाने के लिए गिने चुने हैंड पम्पो व पड़ोसियों की सबमरसिबल का सहारा लेना पड़ रहा है ' जानवरों की प्यास बुझाने व नहलाने के लिए तालाबों में मजबूरन ले जाना पड़ता है ' ग्रामीणों को अब प्यास बुझाने के लिए पानी का बहुत बड़ा संकट नजर आ रहा है '

मोर्निंग सिटी

भोगनीपुर (कानपुर देहात) तहसील भोगनीपुर क्षेत्र के नौनापुर बिजली फोडर के गांव प्रेमपुर में बुधवार की दोपहर के बाद एक किसान जानवरों को चारा लेकर घर वापस लौट रहा था तभी झूलते तारों में फंस गया था जहां जलकर मौके पर मौत हो गई जहां बिजली विभाग के अधिकारियों की लापरवाही साफ साबित दिखी वहीं ग्रामीणों ने काफी देर तक हंगामा किया इसके बाद तहसील प्रशासन व कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के समझाने के बाद ग्रामीणों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जाने दिया था।

अमरीधा ब्लॉक के प्रेमपुर गांव में बुधवार को किसान दुर्गा प्रसाद यादव 52 वर्ष अपने जानवरों को चारा लेकर घर वापस लौट रहा था तभी नलकूपों की 11 हजार लाइन कमर के नीचे छू जाने से किसान धू धू कर जल गया जबकि ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली विभाग के अधिकारियों को तार झूलने की कई बार तहसील दिवस से लेकर विभाग



के अधिकारियों को शिकायत देने के बाद भी नहीं सुनी जिससे साफ लापरवाही साबित हो रही है किसानों का कहना है कि एक जगह नहीं पूरे क्षेत्र में तार झूलते नजर आ रहे हैं अगर बिजली विभाग के अधिकारियों ने तारों की लाइन सही नहीं कराई तो शायद और भी बड़ा हादसा होने की संभावना बनी है जबकि जगह-जगह तार झूलते नजर आ रहे हैं वहीं पोलों को दूरियां करीब 110 मी की दूरी पर पोल गाड़े गए हैं जिससे तार झूलते नजर

आ रहे हैं वहीं किसान जब ट्रैक्टर से जुताई करते हैं तो पानी का पाइप खड़ा करके ट्रैक्टर से खेत की जुताई करने को मजबूर है जहां किसानों की समस्या को बिजली विभाग के अधिकारियों ने अभी तक नहीं सुना जिससे ग्रामीणों में बिजली विभाग के अधिकारी खिलाफ आक्रोश व्याप्त है इस संबंध में एक्सीयन आलोक कुमार ने बतायाकी जानकारी नहीं थी अब जल्द से जल्द तार सही करा कर ग्रामीणों की समस्या का समाधान किया जाएगा

## आयुष्मान आरोग्य मंदिर में संचारी दस्तक अभियान की समीक्षा,एमएमडीपी प्रशिक्षण एवं किट वितरण कार्यक्रम सम्पन्न '

मोर्निंग सिटी

पूरखारायां (कानपुर देहात) आयुष्मान आरोग्य मंदिर भिखनापुर, विकासखंड सरवनखेड़ा में संचारी रोग नियंत्रण एवं फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत संचारी दस्तक अभियान की समीक्षा, सीएचओ-पीएसपी गठन, पीएसपी सदस्यों का प्रशिक्षण, एमएमडीपी (रुग्णता प्रबंधन एवं दिव्यांगता रोकथाम) स्वयं-देखभाल प्रशिक्षण एवं एमएमडीपी किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीएचओ संस्था यादव, जिला समन्वयक प्रेम सिंह कटियार जी, रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवाकांत जी, बीसीपीएम श्री चंद्रभान राजभर, ग्राम प्रधान श्री संतोष जी, आशा-संगिनी श्रीमती कांति, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा फाइलेरिया मरीजों सहित कुल 44 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।



संक्रमण से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को एमएमडीपी मांड्यूल, फिलिबुक एवं पीपीटी के माध्यम से फाइलेरिया एवं मरीजों की देखभाल के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।

पीएसपी सदस्यों को उनके कार्य एवं दायित्व, मासिक कार्ययोजना, मरीजों के नियमित फॉलोअप तथा समुदाय में फाइलेरिया

उन्मूलन हेतु जनसहभागिता बढ़ाने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। बीसीपीएम द्वारा संचारी दस्तक अभियान की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए पात्र मरीजों की पहचान, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं एवं उपचार से जोड़ने पर जोर दिया गया। साथ ही फाइलेरिया मरीजों के डेटा को ई-कवच पोर्टल पर नियमित रूप से अद्यतन एवं संग्रहित करने के निर्देश दिए गए।

फाइलेरिया मरीजों को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, पी.एच.सी.,सी.एच.सी., मेडिकल कॉलेज एवं आयुष अस्पताल से स्वास्थ्य सेवाओं हेतु लिंक करने तथा प्रत्येक माह निश्चय दिवस अथवा आवश्यकता के अनुसार किसी भी दिन स्वास्थ्य केंद्र पर फॉलोअप करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि बीमारी की गंभीरता, संक्रमण एवं संभावित जटिलताओं को समय रहते नियंत्रित किया जा सके।

बैठक में संचारी रोग, मलेरिया, डेंगू, टीबी एवं फाइलेरिया से बचाव के उपायों पर चर्चा करते हुए समुदाय में जागरूकता एवं सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया। सीएचओ द्वारा धात्री माताओं को शिशु के लिए छह माह तक केवल स्तनपान कराने के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। ग्राम प्रधान ने फाइलेरिया मरीजों को यूडीआईडी कार्ड, पेंशन एवं अन्य पात्र कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने में आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने फाइलेरिया एवं टीबी उन्मूलन, मरीजों के नियमित फॉलोअप, एमएमडीपी सेल्फ-केयर को बढ़ावा देने तथा समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

मोर्निंग सिटी

राजपुर (कानपुर देहात) शहीद फौजी की विधवा पत्नी को शॉल ओढ़ाकर व फूलमाला पहनाकर उपजिलाधिकारी ने हालचाल जाना व आगे भी शासन प्रशासन हर सम्भव मदद के लिए प्रयासरत है '

जनपद कानपुर देहात की तहसील सिकंदरपुर क्षेत्र के वैना गाँव पहुंचकर उपजिलाधिकारी उषा सिंह ने देश की सेवा में शहीद हो चुके जवान अभिमन्यु सिंह की पत्नी उषा देवी को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर घरवालों की मौजूदगी में शॉल ओढ़ाकर फूलमाला पहनाया '

शहीद फौजी की पत्नी उषा देवी के मुताबिक उसकी शादी सन 2010 में सिलहरा गाँव में अभिमन्यु सिंह के साथ हुई थी ' जो की सेना में जवान थे ' शादी के तीन महीने बाद पति अभिमन्यु सिंह अरुणाचल प्रदेश चीन बॉर्डर पर अपनी ड्यूटी के लिए चले गए 06 जून 2010 को चीन बॉर्डर पर पेट्रोलिंग फ्लैक्स्टड ऑपरेशन के दौरान बर्फ में स्लैडिंग के दौरान 15



हजार फीट गहराई में कार गिरने से अभिमन्यु सिंह के अलावा कार में सवार अन्य जवान भी शहीद हो गए थे ' जिसके बाद मानो उसपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा हो ' शहीद जवान अभिमन्यु सिंह के नाम पर सिलहरा गाँव के बाहर शहीद द्वा व मूर्ति स्थापित करवाई गई '

इस दुख भरी दस्तान सुनकर उपजिलाधिकारी उषा सिंह की आँखें नम हो गई ' उपजिलाधिकारी ने शहीद परिवार के साथ संवेदना व्यक्त करते हुए शहीद जवान की विधवा पत्नी को हर वक्त साथ खड़े रहने का भरपूर दिलाया व अच्छे भविष्य की कामना की।

### बेदखल

प्राथिनी हसीना बेगम पत्नी स्व असलम कुरेशी गांधी नगर,नगर पंचायत सिकंदर,तहसील सिकंदर,जनपद कानपुर देहात की मूल निवासीनी है ' जो कि लिखित रूप में बयान करती हैं कि प्राथिनी के चार पुत्र है ' जिसमें मेरा सबसे छोटा पुत्र राजा मेरा कहना नहीं मानता है ' मेरी बिना मर्जी के शादी कर ली है ' मैं अपनी चल-अचल सम्पति व जीवन काल से बेदखल कर रही हूँ ' मुझे इसके अछे बुरे कार्यों से कोई वास्ता नहीं है ' आज से राजा कुछ भी कर स्वयं जिम्मेदार होगा।



# ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी...



रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शूटिंग के लिए केप टाउन पहुंची फरहाना भट्ट के लिए यह सफर सिर्फ खतरनाक स्टंट्स का नहीं बल्कि खुद से लड़ाई का भी था। खास बातचीत में उन्होंने उस पल को याद किया, जब एक स्टंट के दौरान सब कुछ छोड़कर भारत लौटने तक का मन बना लिया था।

**रोहित शेट्टी भी रह गए थे हैरान**

शो का पहला ही स्टंट फरहाना को उनके कॉफर्ट जॉन से बाहर ले गया। वह कहती हैं, 'पहला स्टंट ही मेरे कॉफर्ट जॉन से बहुत बाहर था। मुझे खुद नहीं पता था कि मैं वो स्टंट

कर भी पाऊंगी या नहीं। लेकिन जब मैंने उसे पूरा किया तो रोहित सर भी थोड़ा सरप्राइज थे। वो स्टंट मेरी पहुंच और मेरे कॉफर्ट जॉन, दोनों से बहुत बाहर था।'

**उस पल लगा कि मुझे इंडिया वापस जाना है**

फरहाना उस भयावह पल को याद करते हुए कहती हैं, 'एक दिन ऐसा आया था, जब स्टंट के दौरान मेरी जिंदगी का सबसे डरावना पल सामने आया। उस वक्त मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही बात चल रही थी कि बस अब मुझे इंडिया वापस जाना है। मुझे घर जाना है। कुछ पल के लिए मैं पूरी तरह घबरा गई थी। सच कहूं तो उस वक्त लगा कि अब मुझसे नहीं होगा।'

**'खतरों के खिलाड़ी' भी मेरा डर खत्म नहीं कर पाया**

जहां कई प्रतियोगी कहते हैं कि 'खतरों के खिलाड़ी' ने उनका डर खत्म कर दिया, वहीं फरहाना का जवाब बिल्कुल अलग है। वह साफ कहती हैं, 'मेरा कोई भी फियर दूर नहीं हुआ। मेरे सारे फियर आज भी बरकरार हैं।'

**अब छोटी-छोटी बातों पर हंसी आती है**

फरहाना आगे कहती हैं, 'एक बड़ा बदलाव शो कारण जरूर आया है। अब मुझे लगता है कि मैं जिंदगी में उन हालात से गुजर चुकी हूं, जहां इंसान मौत के बहुत करीब पहुंच जाता है। इसलिए अब लाइफ में कुछ भी होता है तो मैं उसे बहुत शांत होकर देखती हूं। कई बार तो कुछ परिस्थितियों पर हंसी भी आ जाती है कि अच्छा यह सब हो रहा है, चलो ठीक है।'

**रुबिना और करण ने साथ दिया**

फरहाना बताती हैं कि शो में रुबिना और करण ने सबसे ज्यादा साथ दिया। वह कहती हैं, 'वैसे तो

सभी लोगों ने मुझे सपोर्ट किया, लेकिन अगर नाम लेने हों तो मैं रुबिना और करण का नाम लूंगी। दोनों ने पूरे सफर में मेरा साथ दिया। साथी कंटेस्टेंट्स को मजेदार टैग देने की बारी आई तो फरहाना ने सबसे पहले अपना ही नाम लिया।

वह हंसते हुए कहती हैं, 'ड्रामा क्वीन का खिताब मैं खुद को दूंगी।' 'ओवरकॉन्फिडेंट' के सवाल पर उन्होंने किसी का नाम लेने से इनकार कर दिया। 'अंडररेटेड' के लिए उन्होंने अपना और ओरी का नाम लिया। वहीं, 'डेंजरस कॉम्पिटिटर' के लिए खुद को चुना, जबकि सबसे बड़े एंटरटेनर का टैग हर्ष गुजराल को दिया।

**बिग बॉस से ज्यादा मुश्किल है 'खतरों के खिलाड़ी'**

'बिग बॉस' और 'खतरों के खिलाड़ी 15' की तुलना पर फरहाना कहती हैं, 'खतरों के खिलाड़ी ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि यह शो आपको सिर्फ फिजिकली नहीं मेंटली भी बहुत थका देता है। जब तक आप मानसिक रूप से तैयार नहीं होंगे, तब तक स्टंट कर ही नहीं सकते हैं। हर स्टंट में आपका दिमाग और शरीर दोनों सौ फीसदी काम करते हैं। इसलिए मेरे लिए 'खतरों के खिलाड़ी' ज्यादा थका देने वाला शो रहा।'



**सलमान खान की अपकमिंग फिल्म में विलेन के किरदार में होंगे जैकी श्रॉफ**

निर्देशक वामशी पैदिपल्ली के साथ सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'SVC63' की चर्चा बढ़ती जा रही है। एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि बॉलीवुड का एक और मशहूर चेहरा इस फिल्म से जुड़ गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता जैकी श्रॉफ, सलमान खान और नयनतारा स्टारर इस फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैकी ने शुक्रवार को मुंबई में फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में वह एक अहम रोल में नजर आएंगे। चर्चाओं के उलट, वह विलेन का रोल नहीं कर रहे हैं, बल्कि फिल्म की कहानी में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। दावा यह भी है कि राहुल देव, अभिषेक सिंह और अरविंद स्वामी फिल्म में विलेन का रोल निभाएंगे। इसमें यह भी बताया गया है कि भारत में शूटिंग का शेड्यूल अगस्त के आखिर तक खत्म होने की उम्मीद है, जिसके बाद टीम छोटे से शेड्यूल की शूटिंग के लिए यूरोप जाएगी।

**वया अनिल कपूर निभाएंगे रोल**  
दिलचस्प बात यह है कि पहले ऐसी खबरें थीं कि अनिल कपूर फिल्म में एक अहम रोल निभाएंगे। हालांकि, इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। अब जैकी श्रॉफ के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की खबरों के बीच, यह साफ नहीं है कि क्या उन्होंने वही रोल लिया है जो पहले अनिल कपूर से जुड़ा था।

**ईद पर आ सकती है फिल्म**  
फिलहाल 'SVC63' के नाम से जानी जा रही यह फिल्म अगले साल ईद पर सिनेमाघरों में आ सकती है। इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी चर्चा है, खासकर इसलिए क्योंकि सलमान बॉक्स ऑफिस पर लगातार कई फ्लॉप फिल्मों के बाद वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं।

**सलमान खान का वर्कफ्रंट**  
'SVC63' के अलावा, सलमान के पास 'मातृभूमि' भी पाइपलाइन में है। अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म का प्रोडक्शन पहले ही पूरा हो चुका है। इसे शुरू में अरुण में रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया।



## भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनीं आलिया

अभिनेत्री आलिया भट्ट बॉलीवुड की सबसे सफल और भरोसेमंद स्टार्स में से एक बन गई हैं। स्क्रीन पर शानदार परफॉर्मेंस देने से लेकर एक कामयाब कारोबारी बनने तक इस अभिनेत्री ने फिल्मों से आगे बढ़कर अपना प्रभाव बढ़ाया है। उनकी बढ़ती लोकप्रियता अब लेटेस्ट सेलिब्रिटी ब्रांड रैंकिंग में भी दिखाई दी है, जिसमें वह भारत की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली महिला सेलिब्रिटी बनकर उभरी हैं। क्रॉल की सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट 2025 के अनुसार, आलिया ने दीपिका पादुकोण और रश्मिका मंदाना जैसी स्टार्स को पीछे छोड़ते हुए देश का सबसे वैल्यूएबल महिला सेलिब्रिटी ब्रांड का स्थान हासिल किया है। जहां शाहरुख खान ने ओवरऑल रैंकिंग में टॉप स्थान बनाए रखा, वहीं आलिया ने 93.9 मिलियन (लगभग 892 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ छठा स्थान हासिल किया। उनकी रैंकिंग उन्हें कई बड़े पुरुष एक्टर्स से भी आगे रखती है। इनमें उनके पति

रणवीर कपूर भी शामिल हैं, जो 80 मिलियन (लगभग 761 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यूएशन के साथ 10वें स्थान पर हैं। टॉप 10 में शामिल होने वाली दूसरी महिला सेलिब्रिटी दीपिका पादुकोण हैं। वह 89.2 मिलियन (लगभग 849.35 करोड़ रुपये) की ब्रांड वैल्यू के साथ सातवें स्थान पर हैं। आलिया की लगातार तरक्की सिर्फ फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस की वजह से नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में, एक्ट्रेस ने बॉक्स ऑफिस हिट्स से लेकर कारोबार में भी अपनी खास पहचान बनाई है। वह कई ब्रांड्स से जुड़ी रही हैं।

**बनाया अपना ब्रांड**

आलिया भट्ट ने बच्चों और माताओं के लिए अपना एक ब्रांड शुरू किया है। उन्होंने कुछ स्टार्टअप्स में भी निवेश किया है। आलिया भट्ट ने फिल्म प्रोडक्शन के जरिए एवेंटिंग के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी अपनी काबिलियत साबित की है।



## इश्क विश्क रिबाउंड के बाद नये सफर पर पश्मीना रोशन

अभिनेता टाइगर श्रॉफ एक बार फिर जबरदस्त एक्शन से भरपूर फिल्म के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। निर्देशक रैमो डिसूजा की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट लगातार मजबूत होती जा रही है। नुसरत भरुचा के बाद अब खबर है कि पश्मीना रोशन भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं और वह फिल्म में प्रमुख महिला किरदारों में से एक निभाएंगी। टाइगर श्रॉफ के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगी पश्मीना फिल्म से जुड़े सुत्रों के मुताबिक, पश्मीना रोशन इस एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ

नजर आएंगी। फिल्म में वह एक अहम किरदार निभाएंगी, जबकि नुसरत भरुचा भी प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगी। फिलहाल निर्माताओं ने उनके किरदार की ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन यह प्रोजेक्ट पश्मीना के करियर का एक बड़ा और रोमांचक कदम माना जा रहा है। पश्मीना रोशन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत रोमांटिक कॉमेडी 'इश्क विश्क रिबाउंड' से की थी। इस फिल्म में उनके साथ रोहित सराफ, जिबरान खान और नायला गैवाल मुख्य भूमिकाओं में थे।

फिल्म में आधुनिक रिश्तों, दोस्ती और युवा प्रेम की जटिलताओं को दिखाया गया था। फिल्म में पश्मीना ने रिया का किरदार निभाया था। इसके अलावा कलाकारों में आकर्ष खुराना, शिल्पा विशाल शेट्टी, सुप्रिया पिलागांवकर, शताफ फिगार, अनीता कुलकर्णी समेत कई कलाकार शामिल थे। अब इस नई एक्शन फिल्म के जरिए पश्मीना रोशन रोमांटिक फिल्मों से अलग एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। साथ ही, पहली बार उनकी जोड़ी एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ के साथ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी।



## 'सतलुज' विवाद पर जिमी शेरगिल की प्रतिक्रिया

फिल्म 'सतलुज' पर हाल ही में जिमी शेरगिल ने अपना रिएक्शन दिया है। इस फिल्म की रिलीज पर लगी रोक को लेकर जब उनसे सवाल किया गया तो अभिनेता ने कहा कि इतिहास के राजनीतिक रूप से संवेदनशील दौर को दिखाने वाली फिल्में अक्सर मुश्किलों में पड़ जाती हैं, क्योंकि वे छिपे हुए सच सामने लाती हैं। इससे चीजें अपने आप पेचीदा और

राजनीतिक हो जाती हैं। जिमी शेरगिल ने क्या कहा? संवेदनशील विषय पर बनी फिल्म 'सतलुज' रिलीज क्यों नहीं हो पाई, जबकि इसी तरह के विषय पर बनी उनकी अपनी पहली फिल्म 'माधिस' को काफी सराहा गया था। जिमी शेरगिल ने इसका दिलचस्प जवाब दिया। फिल्म 'सतलुज' रिलीज विवाद को लेकर शेरगिल शेरगिल ने एक इंटरव्यू में कहा, 'राजनीति होती है और हमेशा होती रहेगी, लेकिन जब ऐसे मुद्दों को उठाया जाता है तो यह अच्छी बात है, क्योंकि इससे हर पहलू खुलकर सामने आता है। जब आप संवेदनशील मामलों के किसी एक पहलू को भी छूते हैं, तो दूसरे छिपे हुए पहलू भी सामने आ जाते हैं। तो, यही इसकी राजनीति है।' जी5 से हटाई गई सतलुज बता दें कि एक्टर-सिंगर दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म 'सतलुज' पिछले महीने भारत में रिलीज हुई थी, लेकिन सिर्फ दो दिन बाद ही यह भारत में इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं रही। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की जिंदगी पर बनी यह फिल्म तीन साल से ज्यादा समय तक सेंसरशिप में फंसी रही और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने इसमें 127 से ज्यादा कट लगाने को कहा था।